सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 302 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 14 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीएम साय ने लगाई स्वतंत्रता की दौड़, बोले- हमारा तिरंगा पूर्वजों के संघर्ष-बलिदान का प्रतीक

भारत माता और रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें किया नमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारा तिरंगा पूर्वजों के वर्षों के संघर्षों और बलिदान का जीवंत प्रतीक है। हम सभी तिरंगे की शान को हमेशा बनाए रखेंगे, अपने अमर बलिदानियों को कभी नहीं भूलेंगे और सभी मिलकर विकसित, समृद्ध और सशक्त छत्तीसगढ़ का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव में आयोजित स्वतंत्रता दौड़ में शामिल हुए और कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने हजारों युवाओं के साथ स्वतंत्रता दौड़ लगाई और भारत माता और अमर बलिदानी रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तिरंगे में करोड़ों भारतीयों की आकांक्षाएं समाई हैं और यह हमारी वीरता, शांति और समृद्धि के भाव की अमिट चेतना है। सीएम साय ने पवित्र तिरंगे को प्रणाम करते हुए कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पिछले कुछ वर्षों से स्वतंत्रता दिवस में पूरा देश तिरंगामय हो जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से हम सभी अलग-अलग तरीकों से इस पावन दिवस को उत्साह के साथ मना रहे है। तिरंगा

यात्राएं और हर-घर तिरंगा फहराने के संकल्प ने इस पावन अवसर को जन-जन से जोड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी एकता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें यह स्मरण कराती है कि आज़ादी अनगिनत बलिदानों की अमूल्य देन है। लाखों-करोड़ों देशभक्तों ने अपने प्राण न्योछावर किए, तब जाकर हमें यह स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के खास अवसर ने मुझे बचपन के दिनों की याद दिला दी। जब मैं स्कूल में था तब स्वतंत्रता दिवस पर प्रभात फेरी निकलती थी, गांव-गांव में देशभक्ति गाने गूंजते थे। उन्होंने कहा कि उस समय जो गर्व महसूस होता था, वही गर्व आज भी हमारे दिल में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारा दायित्व है कि हम अपने देश और प्रदेश को विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाएं। वर्ष 2047 तक के लिए हमने विकसित छत्तीसगढ़ विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है, और हमारी सरकार उसी के अनुरूप कार्य कर रही है। यह सरकार के साथ-साथ हम सभी का साझा संकल्प है।

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता दौड़ सिर्फ एक दौड़ नहीं बल्कि आजादी के लिए किये गए संघर्ष का प्रतिसाद है। देश को वीर सपूतों के बलिदान से आजादी मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित, स्वच्छ, स्वस्थ और श्रेष्ठ भारत के विजन के साथ चलते हुए हमारे मुख्यमंत्री ने भी विकसित और समृद्धशाली छत्तीसगढ़ का सपना संजोया है।

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय ने स्व. दिलीप सिंह जूदेव की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जूदेव जी केवल एक प्रखर राष्ट्रवादी ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान के निष्ठावान प्रहरी थे। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन धर्म, संस्कृति और समाजसेवा के लिए समर्पित किया। उनके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ 'घर वापसी' अभियान एक ऐतिहासिक सामाजिक आंदोलन बना, जिसने हजारों लोगों को उनकी मूल सनातन परंपरा से पुनः जोड़ा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जूदेव जी जल, जंगल, जमीन और जनजातीय अस्मिता के सशक्त रक्षक थे। उन्होंने वनांचल क्षेत्रों में आदिवासी समाज को उनका गौरव और पहचान लौटाने के लिए सतत संघर्ष किया। उनके प्रयासों से समाज में राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का विस्तार हुआ तथा जनजातीय समाज अपनी जड़ों से और अधिक मजबूती से जुड़ सका। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्व. जूदेव की राष्ट्रवादी मूल्यों के प्रति निष्ठा, निडरता और ओजस्वी नेतृत्व आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

धमतरी-कांकेर समेत 16 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दक्षिण हिस्से यानी बस्तर संभाग के जिलों में भारी बारिश कि चेतावनी है। मौसम विभाग ने आज बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, धमतरी, कांकेर इन पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां गरज चमक के साथ बिजली गिर सकती है। आंधी चल सकती है। भारी बारिश हो सकती है। वहीं कोंडागांव, सुकमा, बस्तर, गरियाबंद, बालोद, राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, रायगढ़, मुंगेली इन 11 जिलों में बिजली गिरने, बादल गरजने, आंधी चलने और भारी बारिश का यलो अलर्ट है। बाकी जिलों में बिजली गिरने, बादल गरजने, आंधी चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

दिसंबर तक पूरी हो जाएगी दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना, रेलवे ने पूरा किया अधिकतर कार्य

बस्तर के विकास में एक और क्रांतिकारी कदम, 77.5 किमी लंबे रेल परियोजना के 97 प्रतिशत कार्य पूर्ण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल को रेलवे से सशक्त कनेक्टिविटी देने वाली दल्लीराजहराङ्गरावघाट रेल परियोजना का कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। 95 किलोमीटर लंबी इस परियोजना के तारोकी से रावघाट खंड की लंबाई 77.5 किलोमीटर है, जिसमें यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। बड़े और छोटे पुलों के साथ-साथ ट्रैक बिछाने का काम अब अंतिम चरण में है, जिससे इस महत्वाकांक्षी परियोजना के दिसंबर 2025 तक पूर्ण होने की दिशा में ठोस प्रगति हुई है।

इस रेल परियोजना के पूरा होने से बस्तर क्षेत्र पहली बार राज्य की राजधानी से सीधे रेलवे द्वारा जुड़ जाएगा। इससे बस्तर आने-जाने वाले यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी और खनिज परिवहन की दिशा में नई गति मिलेगी। बस्तर के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य में यह कनेक्टिविटी एक बड़ा बदलाव लाएगी और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सहायक होगी।

आर्थिक विकास की रीढ़ साबित होगी परियोजना

यह रेलवे लाइन रावघाट लौह अयस्क खदानों और सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। वर्तमान में दल्लीराजहरा की खदानों से लौह अयस्क की उपलब्धता घट रही है, ऐसे में यह परियोजना न केवल औद्योगिक जरूरतों को पूरा करेगी बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास की रीढ़ साबित होगी। रेल विकास निगम लिमिटेड के अनुसार, 17.5 किलोमीटर भूमि अधिग्रहण कार्य संपन्न हो चुका है। 21.94 लाख घन मीटर मिट्टी कार्य में से अधिकांश पूरा हो चुका है। तीन में से दो बड़े पुल तैयार हो गए हैं, जबकि 61 में से 55 छोटे-मोटे पुलों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। बैलेस्ट प्रोक्योरमेंट और भवन निर्माण कार्य अगस्त सितंबर तक पूर्ण होने की संभावना है।

16 पुल, 19 रोड ओवर ब्रिज, 45 रोड अंडर ब्रिज का निर्माण

कुल 95 किलोमीटर लंबे इस रेलमार्ग में 16 प्रमुख पुल, 19 रोड ओवर ब्रिज, 45 रोड अंडर ब्रिज और 176 छोटे पुलों का निर्माण शामिल है। केवल 17.5 किलोमीटर लंबे तारोकीङ्गरावघाट खंड में ही 3 प्रमुख पुल, 5 रोड ओवर ब्रिज, 7 रोड अंडर ब्रिज और 49 छोटे पुल बनाए जा रहे हैं। इन सभी कार्यों में तकनीकी सटीकता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि यह परियोजना लंबे समय तक टिकाऊ और सुरक्षित रहे।

पूरे क्षेत्र को मुख्यधारा से जोड़ेगी यह रेल लाइन

यह रेलवे लाइन खनिज परिवहन को नई दिशा देने के साथ-साथ पूरे क्षेत्र को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य करेगी। इससे क्षेत्र में निवेश के अवसर बढ़ेंगे और बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा।नवंबर 2025 तक तारोकीङ्गरावघाट खंड पर ट्रेन परिचालन शुरू होने की संभावना व्यक्त की गई है। इस परियोजना के पूरा होते ही बस्तर अंचल एक नई विकास यात्रा पर अग्रसर होगा, जहां रेल पटरी पर दौड़ती गाड़ियां न केवल खनिज और सामान पहुंचाएंगी, बल्कि रोजगार, अवसर और विकास का संदेश भी लेकर आएंगी।

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्र

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इस क्षेत्र में निर्माण कार्य एक बड़ी चुनौती रहा है। परियोजना को बाधित करने के लिए नक्सलियों द्वारा किए गए 12 हमलों में अब तक 4 मजदूरों की मौत और 2 सुरक्षाकर्मियों की शहादत हो चुकी है। इसके अलावा निर्माण कार्य में प्रयुक्त उपकरणों और मशीनों में आगजनी की घटनाएं भी हुई हैं। इसके बावजूद, एसएसबी सुरक्षा कवच मिलने के बाद परियोजना में उल्लेखनीय प्रगति हुई। परियोजना के पूरा होने के बाद बस्तर क्षेत्र में खनिज परिवहन, रोजगार, स्थानीय व्यापार और यात्री सुविधाओं में अभूतपूर्व वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ के 25 पुलिसकर्मियों के नाम पदक सूची में घोषित

स्वतंत्रता दिवस समारोह में होंगे सम्मानित, तीन पुलिस कर्मियों को मरनोपरांत दिया जा रहा सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस 2025 के अवसर पर गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के 25 पुलिसकर्मियों के नाम गैलेंट्री मेडल (जीएम), प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस (पीएसएम) और मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस (एमएसएम) के लिए घोषित किए हैं। यह सम्मान आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में राज्य की अहम भूमिका को रेखांकित करता है।

बता दें गृह मंत्रालय ने 1,090 पुलिस, अग्निशमन, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और सुधार सेवा के कर्मियों को वीरता और सेवा पदक देने की घोषणा की है। यह सम्मान उन लोगों को मिलेगा जिन्होंने देश की सेवा में बहादुरी और समर्पण का परिचय दिया है। इनमें छत्तीसगढ़ के 25 पुलिस कर्मियों के नाम भी शामिल हैं। 14 गैलेंट्री मेडल, एक प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस और 10 मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस के साथ छत्तीसगढ़ पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस 2025 के सम्मानों में शानदार प्रदर्शन किया है। ये घोषणाएं राज्य के पुलिसकर्मियों के साहस, नेतृत्व और समर्पण को सलाम करती हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा में छत्तीसगढ़ की अहम भूमिका को रेखांकित करती हैं।

14 पुलिसकर्मियों के नाम गैलेंट्री मेडल

असाधारण साहस और उत्कृष्ट परिचालन क्षमता के लिए छत्तीसगढ़ के 14 पुलिसकर्मियों के नाम गैलेंट्री मेडल के लिए घोषित किए गए हैं। इनमें आईपीएस अधिकारी सुनील शर्मा (पुलिस अधीक्षक), संदीप कुमार मडिले (उप निरीक्षक) और आरक्षक मदकम पांडु, मदकम हदमा, मदकम देव, बरसे हुंगा, रोशन गुप्ता सहित अन्य

शामिल हैं। तीन पुलिसकर्मियों स्वर्गीय रामुराम नाग (सहायक उप निरीक्षक), स्वर्गीय कुंजाम जोगा (आरक्षक) और स्वर्गीय वंजाम भीमा (आरक्षक) को कर्तव्य-पालन के दौरान सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत सम्मानित किया गया है। ये घोषणाएं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में राज्य पुलिस के जोखिमपूर्ण अभियानों और अदम्य साहस को दर्शाती हैं।

प्रेसिडेंट्स मेडल फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस

लंबे समय तक उच्च कोटि की उत्कृष्ट सेवा के लिए छत्तीसगढ़ के एक अधिकारी का नाम पीएसएम सूची में शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ के निदेशक हिमांशु गुप्ता को उनके नेतृत्व, पेशेवर ईमानदारी और राज्य में पुलिसिंग व जनसुरक्षा में निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

मेडल फॉर मेरिटोरियस सर्विस

लगन, अनुकरणीय सेवा और निरंतर योगदान के लिए छत्तीसगढ़ के 10 पुलिसकर्मियों को एमएसएम के लिए चुना गया है। इनमें पुलिस महानिरीक्षक ध्रुव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, कमांडेंट श्वेता राजमणि, पुलिस अधीक्षक रवी कुमार कुर्रे, निरीक्षक (एमआईएन) कौशल्या भट्ट, सहायक पुलिस महानिरीक्षक रोहित कुमार झा, निरीक्षक (एमआईएन) कमलेश कुमार मिश्रा, प्लाटून कमांडर दल सिंह नामदेव, कंपनी कमांडर दिलीप कुमार साहू और सहायक उप निरीक्षक सुशील कुमार बरुआ शामिल हैं। इनका योगदान अभियान संचालन, प्रशासनिक दक्षता और सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्रों में रहा है।

पामेड़ व तर्रेम क्षेत्र में नक्सलियों पर बड़ी कार्रवाई स्मारक ध्वस्त और विस्फोटक सामग्री बरामद

बीजापुर। सुरक्षा बलों द्वारा जिले के थाना पामेड़ एवं तर्रेम थाना क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण कार्रवाइयों को अंजाम दिया गया। इनमें एक ओर नक्सलियों द्वारा निर्मित स्मारक को ध्वस्त किया गया, वहीं दूसरी ओर जंगल क्षेत्र से भारी मात्रा में विस्फोटक व हथियार बरामद किये गये है।

जानकारी के मुताबिक, पामेड़ थाना क्षेत्र के ग्राम उड़तामल्ला के जंगलों में नक्सलियों द्वारा बनाए गए एक स्मारक को सुरक्षा बलों ने ध्वस्त कर दिया। तर्रेम थाना क्षेत्र में जिला बल एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 170वीं बटालियन की संयुक्त टीम ने कोमटपल्ली के जंगलों में सघन सर्चिंग अभियान चलाया।

इस दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी। नक्सलियों द्वारा पहाड़ी क्षेत्र में चट्टानों के बीच छिपाकर रखा गया विस्फोटक व हथियार बरामद किया गया। बरामद की गई विस्फोटक सामग्री में बंदूक, बीजीएल राउंड एवं रॉड, बीजीएल पार्ट्स, विस्फोटक निर्माण सामग्री, विभिन्न आकार के प्रेशर कुकर, आरी-ब्लेड स्पीकर आदि शामिल है।

घमासान को वजह नहीं बहाना चाहिए

श्रीकंचनपथ

भारतीय राजनीति में घमासान शब्द बेहद आम है। बात-बात पर यहां घमासान छिड़ जाता है। ताजा मामला स्वतंत्रता दिवस पर मांस-मछली बैन करने का है। राष्ट्रीय पर्वों पर, महान विभूतियों एवं संतों के जन्म दिवस पर मांस-मदिरा बैन करने का चलन पुराना है। पर अब यह भी घमासान की वजह बन रहा है। महाराष्ट्र और तेलंगाना में स्वतंत्रता दिवस पर मांस बिक्री को प्रतिबंधित करने के आदेश स्थानीय निकायों ने जारी किया है। तेलंगाना में इस मामले को एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शासन का मनमाना फैसला बताया है। ओवैसी मामले को हाईकोर्ट ले गए हैं जहां इसकी सुनवाई हो रही है। तेलंगाना हाई कोर्ट ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) से स्वतंत्रता दिवस पर गोमांस की दुकानों और बूचड़खानों को बंद रखने के उसके आदेश के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। ओवैसी ने पूछा है कि गोश्त खाने और स्वतंत्रता दिवस में क्या रिश्ता है? तेलंगाना में 99 प्रतिशत लोग गोश्त खाते हैं। यह फैसला लोगों की स्वतंत्रता, निजता, आजीविका, संस्कृति, पोषण और धर्म के अधिकारों का उल्लंघन करता है। इसी तरह का आदेश महाराष्ट्र के ठाणे जिले की कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका ने भी दिया है। छत्रपति शिवाजी नगर पालिका प्रशासन ने भी इसी तरह का आदेश दिया है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे और उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी इस फैसले को गलत बताया है। पवार ने कहा- श्रद्धा का प्रश्न होता है तो इस तरह बंदी लगाई जाती है। आषाढ़ी एकादशी, महावीर जयंती जैसे अवसरों पर यह निर्णय लिया जाता है। कोंकण में हर सब्जी में सूखी मछली (सुकट) डाली जाती है। ऐसी रोक ठीक नहीं है। अगर मुद्दा भावनात्मक हो तो उस समय के लिए बंदी समझी सकती है। लेकिन, 15 अगस्त को बंदी लगाना उचित नहीं है। वहीं आदित्य ठाकरे ने कहा कि नगर निगम खस्ताहाल सड़कों पर ध्यान दे। हम क्या खाते हैं और क्या नहीं, यह हमारी पर्सनल च्वाइस है। नागरिकों पर शाकाहार थोपने के बजाय महानगरपालिका को खस्ताहाल सड़कों और बदहाल नागरिक सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए। दरअसल, पिछले कुछ दशकों में योजनाबद्ध तरीके से मांसाहार के खिलाफजनमत तैयार किया जा रहा है। लोग न केवल मांसाहार छोड़ रहे हैं बल्कि शाकाहारी लोगों ने भी दूध, घी और पनीर को त्यागना शुरू कर दिया है। ऐसे लोगों को शाकाहारियों में भी श्रेष्ठ अर्थात वेजी कहा जाता है। ऐसे लोगों का कहना है कि दूध भी गाय देती नहीं, हम जबरदस्ती ले लेते हैं। यही नहीं गाय से प्राप्त दूध भी उतना ही मांसाहारी है जितना कि अंडा। उधर वोटर लिस्ट और चुनाव धांधली पर घमासान भी लगातार जारी है। निर्वाचन आयोग पर मनमानी के आरोप लग रहे हैं। कोई कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भिड़ रहा है तो कोई धर्मांतरण के मुद्दे पर घमासान कर रहा है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि किसी दिन घमासान बंद हो गया तो कैसे जिएंगे हम लोग?

संपादकीय

सच बताने की रणनीति

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को सबक सिखाया जा चुका है। भारत पाकिस्तान के संघर्ष की बातें हम भांति-भांति से सुन चुके हैं। लगता है सब अपने-अपने हिस्से का 'सच' बताने की रणनीति पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री संसद में बयान दे चुके हैं। रक्षा अधिकारी बता चुके हैं कि पाकिस्तान की बैंड भारत ने कैसे बजाई। लेकिन लगता है जैसे हमारे वायु सेना प्रमुख जरा देर से जागे हैं। उन्होंने ऐसी बात बताई है जो आज तक कोई नहीं बता पाया था। बाकी सब लोग पाकिस्तान और पीओके में आतंकी अड्डों के ध्वस्त होने और कई एयर फील्ड तबाह कर देने तक तो पहुंचे थे लेकिन एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने शनिवार को जो कहा वह सबसे अलग है।

उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था। गिराया गया सबसे बड़ा विमान तो 300 किमी. दूर से निशाना बनाया गया जो भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। एलएम कात्रे स्मृति व्याख्यान में उन्होंने बताया कि बड़ा विमान एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम भी हो सकता है। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया। सुकर एयरबेस की तबाही के चित्र दिखाते हुए उन्होंने तमाम बर्बादी की पुष्टि की।

> **भारत की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई। एस-400 प्रणाली की वजह से पाकिस्तान भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को भेद नहीं सका। उनके अनुसार सीडीएस का पद सैन्य अभियानों में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है।**

वायुसेना ने यूएबी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। एडब्ल्यूसी हैंगर पर फिर से हमला किया गया। सरगोधा के बारे में वायुसेना चीफ ने कहा, संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यहां कुछ कर दिखाने का मौका मिल गया। भारत की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई। एस-400 प्रणाली की वजह से पाकिस्तान भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को भेद नहीं सका। उनके अनुसार सीडीएस का पद सैन्य अभियानों में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है। एयर चीफ ने ऑपरेशन सिंदूर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जिससे अन्य एजेंसियों और सुरक्षा बलों को एक साथ लाने में मदद मिली।

विषमता की खाइयां पाटना वक्त की जरूरत

VISHWANATH SACHDEV

स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश के हर नागरिक में होनी चाहिए। एक स्वतंत्र समाज का दायित्व बनता है कि वह ऐसी स्थितियां बनाये कि हर नागरिक में अन्याय का विरोध करने की क्षमता जगे।

'स्वराज में राहत तो होगी/ मज़दूर मगर भूखा होगा/ उसके बदले की रोटी/ दौलत वाला खाता होगा... आज़ादी चीज तो अच्छी है/ लेकिन है पैसे वालों की/ मजदूर को मजदूरी करनी/ गोरों के बजाय कालों की...।' यह पंक्तियां किसने लिखी हैं, यह तो नहीं पता, पर इतना अवश्य पता है कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान कुछ लोग इस तरह के गीत भी गाया करते थे। मैंने अपने पिताजी से बचपन में ये पंक्तियां सुनी थीं और यह बात वे तब कहते थे जब देश में आर्थिक या सामाजिक विषमता का कोई मुद्दा उठता था। समानता और बंधुता के सारे दावों के बावजूद विषमता की खाइयों की गहराइयां कम नहीं हो रहीं। बड़े-बूढ़ों से यह बात हम अक्सर सुनते रहते हैं कि आज़ादी पा लेने के बावजूद देश में समानता का वह सपना कहीं पूरा होते नहीं दिखता जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी देखा करते थे। यह एक सच्चाई अपने आप में बहुत कुछ कह देती है कि आज देश की आबादी के दस प्रतिशत ऊपरी हिस्से के पास देश की राष्ट्रीय संपत्ति का 77 प्रतिशत हिस्सा है!

> **स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश...**

आज जबकि हम अपनी आज़ादी के 78वें साल में दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर तेज़ी से बढ़ने के दावे कर रहे हैं, करोड़ों को गरीबी रेखा से उबारने की दुहाई दे रहे हैं, दुनिया की सबसे तेज़ी से सुधरती अर्थव्यवस्था होने का दम भर रहे हैं, स्वयं को विश्वगुरु मान रहे हैं तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि देश की 80 प्रतिशत आबादी को सरकार द्वारा दिये जाने वाले प्रतिमाह 5 किलो अनाज पर जीवन-यापन क्यों करना पड़ रहा है? सरकारी मदद को भीख कहना अच्छा नहीं लगता है, पर हकीकत है- इससे भी तो इन्कार नहीं किया जा सकता।

बरसों पहले भारत की संसद में उठा तीन आने और तेरह आने वाला सवाल एक तरह से आज भी मुंह बाये हमारे सामने खड़ा है। देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए समाजवादी विचारक और नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती दी थी कि वे इस स्थापना को गलत साबित करके बतायें कि देश के 27 करोड़ लोग तीन आने से भी कम पैसे में अपना जीवन-यापन करने के लिए विवश हैं। तब रुपये में सोलह आने हुआ करते थे और देश की आबादी भी 50-55 करोड़ थी। अपने उस भाषण में डॉ. लोहिया ने देश की संसद में कहा था, 'देश के प्रधानमंत्री पर प्रतिदिन पच्चीस हज़ार रुपये खर्च होते हैं! जबकि, देश का आम नागरिक प्रतिदिन तीन आने में अपना काम चलाने के लिए बाध्य है।' ज्ञातव्य है कि तब प्रधानमंत्री नेहरू ने डॉ. लोहिया की इस स्थापना को ग़लत तो कहा था, पर उन पर देशद्रोही होने का आरोप नहीं लगाया था।

आज़ादी की लड़ाई के दौरान स्वराज में मजदूर के भूखा सोने की बात कहने वाले की आलोचना तब भी होती थी, पर उन्हें देशद्रोही नहीं समझा जाता था। आज हम आज़ाद हैं, और आज़ादी का तकाज़ा है कि हम सतत? सावधान रहने की शर्त को पूरा करने वाले नागरिक सिद्ध हों। नागरिक की जागरूकता स्वतंत्र देश की सार्थकता की पहली शर्त है। आज जबकि हम आज़ादी की 78वीं सालगिरह मनाए जा रहे हैं, हममें से हर एक को अपने आप से यह पूछना होगा कि सतत? जागरूकता की इस कसौटी पर हम कितना सफल सिद्ध होते हैं? पूछना तो हमें अपने आप से यह भी है कि क्या वह पूरी आज़ादी हमने पा ली है जिसकी शपथ 95वें साल पहले हमने रावी नदी के तट पर ली थी?

यह पूरी आज़ादी की शपथ देश ने कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ली थी। इस पूरी आज़ादी का मतलब सिर्फ अपना शासन नहीं था। पूरी आज़ादी का मतलब था वह सोच जो हर नागरिक को खुली हवा में सांस लेते हुए राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक प्रगति का समान अवसर देती है।

स्वतंत्रता को किसी भी कीमत पर महंगी न समझने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, 'जब तक हम पूर्ण स्वतंत्र नहीं हैं, हम गुलाम ही हैं।' आज बापू के इन शब्दों को सही अर्थों में समझने की आवश्यकता है। पूरी आज़ादी का मतलब है समान अधिकारों और समान अवसरों के साथ जी पाना। क्या ऐसी स्थिति है हमारे देश में? आज़ादी की लड़ाई के दौरान जिस तरह राहत की बात कवि कर रहा था, क्या सचमुच हमने वह राहत पा ली है? हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्र भारत में एक ऐसे मानव-समाज की कल्पना की थी जिसमें हर नागरिक को समान अधिकारों के साथ जीने का अधिकार भी मिलेगा और अवसर भी। उस स्वतंत्रता में कोई छोटा या बड़ा नहीं होगा। स्वतंत्र भारत में समानता का मतलब वह व्यवस्था होगी जिसमें झोपड़ी कुछ ऊंची होगी, महल कुछ नीचा। जाति और वर्ण के आधार पर किसी को नीचा या ऊंचा नहीं माना जायेगा। हमारे संविधान का आमुख हर नागरिक को न्याय पाने का पूरा अधिकार देता है। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता की यह स्थितियां क्या हमने पा ली हैं?

एक सवाल और जो हमें अपने आप से पूछना चाहिए वह यह है कि क्या हम सचमुच स्वतंत्रता और स्वराज का मतलब समझते हैं? स्वतंत्रता बंधन से मुक्ति का नाम है और स्वराज का मतलब है निज-शासन की युक्ति। स्वतंत्रता कुछ बंधन लाती है अपने साथ। बंधन अर्थात संयम। बंधन अर्थात मर्यादाओं में जीने की युक्ति। यह तो सब जानते हैं कि स्वराज का मतलब सत्ता का अपने अथवा अपनों के हाथ में आना है, पर हम में से कितने लोग यह समझते हैं कि स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश के हर नागरिक में होनी चाहिए। एक स्वतंत्र समाज का दायित्व बनता है कि वह ऐसी स्थितियां बनाये कि हर नागरिक में अन्याय का विरोध करने की क्षमता जगे। पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी को तिरंगा फ्हराकर हम अपनी आज़ादी का उत्सव तो मना सकते हैं, पर इस उत्सव की सार्थकता तभी होगी जब देश का हर नागरिक वह जीवन जी सके, जिसमें आज़ादी अपने पूरे के साथ को पुष्पित-पल्लवित होगी।

सच्चा और पूरा स्वतंत्र समाज वही है जिसमें हर रंग के फूल अपनी गंध बिखेर रहे हों, जहां जाति के आधार पर आदमी और आदमी के बीच की दूरी नहीं होगी। रावी के तट पर हमने पूरी आज़ादी पाने की शपथ ली थी, उस आज़ाद भारत में ऊंच-नीच का कोई भेद नहीं होना था, धर्म की दीवार नहीं होनी थी, पूरी आज़ादी वाले उस समाज में नफ्रत के लिए कोई जगह नहीं है, जहां धर्म बांटता नहीं, जोड़ता है, जहां पूजा-स्थल मनुष्यता के धर्म को परिभाषित करते हैं। पूरी आज़ादी वाला वह समाज अभी बनाना है हमें। आर्थिक असमानता और सामाजिक विषमता की दीवारों-खाइयों को ढहाने-पाटने की आवश्यकता को अनुभव करके ही हम अपना बेहतर भारत बना सकते हैं। सच कहूं तो तभी जयहिंद कहने का अधिकार मिलेगा हमें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

अपराधियों से पहले अफवाहों पर लगे अंकुश

DR. RAMESH THAKUR

उ.प्र.शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के ज़रिए डर पैदा करने या ग़लत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन उड़ने की चर्चा लगातार जारी है। 'ड्रोन गिरोह' की अफ्वाहों से कई राज्यों में दहशत की स्थिति बनी हुई है। प्रभावित दो-तीन राज्यों में कथित ड्रोन चोरों से लोग इतने भयभीत हैं कि रातों में जाग-जाग कर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। डरे हुए लोग 'ड्रोन चोरों' को 'आसमानी चोर' कहने लगे हैं। आकाश में रात के वक्त सैकड़ों फुट ऊंचाई पर मंडराते कथित रहस्यमय ड्रोनों से सन्नाटा इस कदर फैला है कि पत्तों की सरसराहट या झींगुरों की भिनभिनाहट मात्र से भी लोग डर जाते हैं। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महकमा भी अलर्ट मोड पर है। रात में जायजा लेने को पुलिस-प्रशासन के आला अफ्सर भी ग्राउंड ज़ीरो पर उतरे हुए हैं।

दरअसल, अफ्वाह ग्रामीणों की नासमझी से ज्यादा फैल रही है। ड्रोन दिखाई पड़ने पर वह पुलिस से संपर्क करने के बजाय सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप गलत सूचनाएं फैला देते हैं, जिससे स्थिति विकट हो रही है। हालांकि, ऐसे लोगों पर पुलिस सख्ती भी दिखा रही है।

पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। करीब 92 फीसदी कार्य 'ड्रोन मैपिंग' से पूरा हो चुका है, जिसमें 31 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल उठता है क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? हालांकि अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई बाहर नहीं निकल पाई।

प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन घटनाओं को अफ्वाह ही माना है। कहीं ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक न करना चाहता हो? राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नहीं? सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक जिलों में इस समय ड्रोन लुटेरों की ही चर्चाएं हैं। धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफ्वाहें हैं कि चोर रात्रि में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और अगली रात धावा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई हकीकत सिद्ध नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन दोनों भी इस अनसुलझी पहेली में उलझे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाएं बेशक अफ्वाह बताई जा रही हों लेकिन ग्रामीण मानने को राजी नहीं? बीते मात्र तीन हफ्तों में उत्तर प्रदेश में 365 और उत्तराखंड में 245 ऐसी घटनाएं घटी हैं।

गौरतलब है कि अफ्वाहों के गर्भ से निकली कथित ड्रोन चोरों की ये घटनाएं अब हिंसा में बदलने लगी हैं। गत दिनों बिजनौर के कोतवाली क्षेत्र में रात के वक्त एक घटना घटी, जिसमें एक औरत की हत्या का प्रयास हुआ। सुबह पुलिस ने छानबीन कर आसपास के लोगों से पूछताछ की, तो पता चला कि महिला पर हमला ड्रोन चोरों ने नहीं, बल्कि पड़ोसी ने किया, जिनसे उनका पुराना जमीन विवाद है। चोर समझकर अंधेरे में चलने वाले राहगीरों के साथ मारपीट की घटनाएं भी बढ़ी हैं। शराबियों की तो शामत ही आई हुई है। बिना किसी वजह हादसे का शिकार न हो जाएं, इसलिए रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारी भी घरों से बाहर नहीं निकल रहे। ऐसी भी घटनाएं खूब सामने आ रही हैं, जहां ड्रोन चोरों की आड़ में लोग अपनी पुरानी दुश्मनी निकाल रहे हैं। दशहत और अफ्वाहें इस कदर देहातों में व्याप्त है कि आसमान में चमकती रोशनी को भी ड्रोन समझ कर अफ्रा-तफ्री का माहौल बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश में कथित ड्रोन चोरों ने कुछ ज्यादा माहौल बिगाड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ने तत्काल आपातकाल बैठक बुलाई। हालांकि, उससे पहले ही अधिकारियों ने शासन को बताया था कि 'ड्रोंस के मामले' में कुछ उत्पाती लोग उन्माद फैलाने की फ्िराक में हैं। शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के ज़रिए डर पैदा करने या ग़लत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन उड़ने की चर्चा लगातार जारी है। दो दिन पहले भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर एक और उच्च-स्तरीय बैठक हुई, जिसमें बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश पारित हुआ। जिसके उल्लंघन में कुछ यूट्यूबर और कैटरिंग वाले पकड़े गए। फ्लिहाल, पुलिस की पूछताछ में उनकी ड्रोन हरकतों में संलिप्ता नहीं मिली।

संसद का दृश्य अखाड़े से कम नहीं लगता

ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है जिससे संसद का कामकाज बाधित है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है।

विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, बल्कि राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। एक ओर सरकार संवाद से बच रही है तो दूसरी ओर विपक्ष दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामे बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडंबनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूटे जा रहे हैं।

विपक्ष और सत्ता के बीच टकराव में बहस की बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरु आत उम्मीदों से भरी थी, नये विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की

मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है, जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाए।

संसद में गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई पक्ष झुकने को तैयार नहीं। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा। पिछले वर्षो में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए लेकिन सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है, और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है।

दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरु आत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेंच हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है, और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबे की। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। सवाल बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को बाधा मान कर चलती है और विपक्ष विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, 'संसद को ठप करना आसान है, लेकिन संसद को चला कर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।'

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-'संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आश्वासनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठ कर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है, लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि हंगामे को महिमामंडित करने की बजाय नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशाविहीन हो जाए तो कमजोरी बन जाता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर जनता के मन में शंका

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

> लोकतंत्र का आधार चुनाव कराना ही नहीं, बल्कि चुनाव ऐसे कराना है कि इसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर जनता का भरोसा बना रहे। हाल में लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों ने देश की चुनावी प्रक्रिया पर बहस को नये मोड़ पर ला खड़ा किया है। यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को प्रभावित करने वाला गंभीर मसला है, जिसे न केवल राजनीतिक, बल्कि संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से भी परखना आवश्यक है।

राहुल ने अपने आरोपों में दावा किया है कि 2024 के आम चुनाव में बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों में फर्जी नाम जोड़े गए और असली मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटे गए। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी यह प्रवृत्ति देखने को मिली है। विपक्ष का आरोप है कि यह सब भारतीय जनता पार्टी को चुनावी लाभ देने के उद्देश्य से किया गया जिससे मतदाता सूची में हेरफेर कर परिणामों को प्रभावित किया जा सके। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करने की बजाय 'हलफनामा' देने को कहा है।

कर्नाटक समेत तीन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे संबंधित मतदाताओं के नाम दें जिन पर आरोप है कि उनके नाम फर्जी तरीके से जोड़े या काटे गए हैं। आयोग का कहना है कि इन दावों की सटीक जांच के लिए तथ्यों और ठोस प्रमाण की आवश्यकता है, महज आरोप पर्याप्त नहीं। आयोग का यह रु ख जहां नियम-सम्मत प्रतीत होता है, वहीं विपक्ष के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनकी जांच में तत्परता और पारदर्शिता की मांग भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हो जाती है। विवाद केवल आंकड़ों और आरोपों का खेल नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के मूल 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत से भी जुड़ा है। यदि वाकई एक मतदाता के नाम पर कई वोट दर्ज हैं, तो यह सीधे-सीधे मतदान प्रक्रिया की पवित्रता का उल्लंघन है।

मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना चुनाव की निष्पक्षता की पहली शर्त है। राहुल और विपक्षी दलों के आरोप फर्जी नाम जोड़ने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हैं। उनका कहना है कि आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी दूर करने के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक उपायों को पूरी तरह लागू नहीं कर रहा है। उदाहरणतः आयोग द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई परंतु इसमें भी पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के आरोप लगते रहे हैं। कई बार फील्ड अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव की आशंका जताई जाती है, जिससे गलत नाम सूची में बने रहते हैं, और सही नाम हटा दिए जाते हैं।

चुनावी पारदर्शिता पर चर्चा करते समय तकनीकी पहलुओं को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। विपक्षी दलों का आरोप है कि आयोग चुनाव प्रक्रिया की निगरानी में पारदर्शिता नहीं बरत रहा। जैसे कि मतदान के बाद वीवीपैट पर्चियों की गिनती सीमित प्रतिशत में करना, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखना और मतदान केंद्रों से ईवीएम की आवाजाही के दौरान पर्याप्त सुरक्षा उपायों का अभाव। ये सभी ऐसे बिंदु हैं, जो जनता के मन में शंका पैदा करते हैं। चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर भी असर डालते हैं।

उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा मतदाता सूची संबंधी डेटा को ऐसे प्रारूप में जारी नहीं किया जाता जो आसानी से विश्लेषण के लिए उपयुक्त हो। इसके कारण राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों को जांच-पड़ताल में कठिनाई होती है। यदि डेटा पारदर्शी और उपयोगी प्रारूप में उपलब्ध हो, तो स्वतंत्र संस्थाएं और मीडिया भी चुनावी प्रक्रिया पर निगरानी रख सकते हैं, और गड़बड़ी पकड़ने में मदद कर सकते हैं। इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू है संस्थागत विश्वास का क्षरण। चुनाव आयोग जैसी संस्था का भरोसा केवल उसकी संवैधानिक वैधता पर नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर टिका होता है। यदि जनता का विश्वास इससे उठने लगे तो लोकतंत्र की नींव ही हिल सकती है। यही कारण है कि राहुल के आरोपों को राजनीतिक बयानबाजी मान कर टालना पर्याप्त नहीं, बल्कि इनकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होना आवश्यक है।

इस मुद्दे का समाधान राजनीतिक बहस से नहीं, बल्कि ठोस प्रशासनिक और कानूनी कदमों से ही संभव है। चुनाव आयोग को चाहिए कि मतदाता सूचियों का थर्ड-पार्टी ऑडिट कराए, तकनीकी साधनों से डुप्लीकेट और फर्जी नामों की पहचान करे, और परिणामों को सार्वजनिक करे। मतदाता सत्यापन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी भी बढ़ाई जाए। वीवीपैट गिनती के दायरे को बढ़ाना, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखना और ईवीएम की सुरक्षा को और मजबूत बनाना भी जरूरी है। लोकतंत्र की आत्मा तभी सुरक्षित रह सकती है, जब जनता का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास रहे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

किसानों को उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु प्रशासन सजग

दुर्ग। जिले में खरीफ2025 में कृषकों की मांग अनुसार उर्वरकों का प्राथमिक सहकारी समिति एवं निजी प्रतिष्ठानों में भंडारण किया गया। गत वर्ष सहकारिता क्षेत्र में 42164 मि.टन उर्वरक वितरण हुआ था। जिले में इस वर्ष सहकारिता क्षेत्र में कुल 43886 मि.टन का भंडारण किया गया जो कि गत वर्ष की वितरण की तुलना से 04 प्रतिशत अधिक है। वर्तमान में प्राथमिक सहकारी समितियों में 2956 मि.टन शेष है, जिसका उठाव कृषकों द्वारा आवश्यकतानुसार किया जा रहा है। उप संचालक कृषि से मिली जानकारी अनुसार वैश्विक समस्या के कारण जिले को गतवर्ष की तुलना में वर्तमान खरीफ2025 हेतु उर्वरक डी.ए.पी. का लक्ष्य कम प्राप्त हुआ है जिसकी कमी की भरपाई हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अनुशंसित वैकल्पिक उर्वरकों यथा-एसएसपी, एनपीके, संयुक्त उर्वरकों का उपयोग करने कृषकों के मध्य व्यापक प्रचार- प्रसार कर डी.ए.पी. की पूर्ति अन्य उर्वरकों के माध्यम से किया जा रहा है, साथ ही नवीन तरल उर्वरकों यथा-नैनो यूरिया, नैनो डी.ए.पी. का वैकल्पिक उर्वरकों के रूप में उपयोग हेतु कृषकों के मध्य व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कृषकों से उक्त तरल नैनो उर्वरकों की मांग एकत्र कर सहकारी समितियों में तत्काल भण्डारण की कार्यवाही की जा रही है जिससे जिले में उर्वरकों की किसी प्रकार की कमी न हो यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा करेंगे ध्वजारोहण

दुर्ग। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले में 15 अगस्त 2025 स्वतंत्रता दिवस पूरी गरिमा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जिला मुख्यालय दुर्ग के प्रथम बटालियन ग्राउण्ड दुर्ग में मुख्य समारोह आयोजित होगा, जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा प्रात: 9 बजे ध्वाजारोहण करेंगे और परेड की सलामी लेंगे। इसके बाद परेड का निरीक्षण कर मुख्य अतिथि श्री शर्मा मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। कार्यक्रम में हर्ष फायर और मार्च पास्ट के बाद शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। मुख्य समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य अतिथि अपने कर कमलों से पुरस्कार वितरण भी करेंगे।

हड़ताल खत्म होने के बाद पूर्व का आदेश निरस्त

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने तहसीलदारों की हड़ताल खत्म होने के बाद पूर्व में जारी किये गए अतिरिक्त प्रभार संबंधी आदेश को निरस्त कर दिया है। ज्ञात हो कि हड़ताल के दौरान भू-अभिलेख शाखा के सहायक अधीक्षकों को तहसीलों का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था, वह अब तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

सुरता शहीद वीर नारायण सिंह व मिनीमाता सामाजिक समरसता सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान के प्रतीक हैं वीर नारायण और मिनीमाता : पवन साय

भिलाई। पुरखा के सुरता जन कल्याण समिति मरोदा भिलाई एवं सामाजिक कार्यकर्ता भिलाई-3 अहिवारा के संयुक्त तत्वावधान में सुरता शहीद वीर नारायण सिंह एवं ममतामयी माँ मिनीमाता सामाजिक समरसता सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 12 अगस्त मंगलवार को मंगल भवन भिलाई-तीन में किया गया। साथ ही अहिवारा के विधायक राजमहंत डोमन लाल कोर्सेवाडा का जन्मोत्सव का कार्यक्रम भी हुआ।

आयोजन के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री पवन साय ने छत्तीसगढ़ के पुरोधाओं पर केंद्रित आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ का स्वाभिमान अगर बना हुआ है तो वह शहीद वीर नारायण सिंह और ममतामई मां मिनीमाता जैसे व्यक्तित्वों की वजह से है। उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह ने छत्तीसगढ़ की अस्मिता को बचाने अपना बलिदान दिया और ममतामई मां मिनीमाता ने छत्तीसगढ़ के वंचित और शोषित समुदाय की आवाज को संसद तक पहुंचाया। श्री साय ने इस मौके पर अहिवारा के

विधायक राजमहंत डोमन लाल कोर्सेवाडा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक जीवन की कामना की।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दुर्ग ग्रामीण के विधायक व उपाध्यक्ष अन्य पिछड़ा वर्ग ललित चन्द्राकर ,पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ,महिला आयोग सदस्य ओजस्वी मंडावी , जिला पंचायत दुर्ग अध्यक्ष सरस्वती बंजारे , जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक दुर्ग,भिलाई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ,राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित गीता बंजारे और राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित घनश्याम सिंह ठाकुर ने भी शहीद वीर नारायण सिंह और प्रथम महिला सांसद मिनीमाता के कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्हें देश और दुनिया के लिए एक अनुकरणीय व्यक्तित्व बताया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजूलाल नेताम व कार्यक्रम के सयोजक पद्मश्री राधेश्याम बारले ने बताया कि सुबह शुरु हुए आयोजन में हरिकीर्तन कामता प्रसाद शरण कुडेरादादर छुरा गरियाबंद द्वारा मांदरी व गेड़ी नृत्य , जय गढ़िया बाबा आदिवासी मांदरी नृत्य सरईटोला नगरी जिला धमतरी द्वारा महिला पंथी नृत्य , सत्संग महिला पंथी दल खुर्सीपार श्रीमती सरोज बाला पाहित भिलाई द्वारा सुवानृत्य, सखी सहेली सुवानृत्य मंडली नेवई द्वारा भरथरी गाथा, हिमानी वासनिक राजनादगांव द्वारा महिला पंथी. माता सफुरा महिला पंथी दल श्रीमती शांता सोनवानी नेवई द्वारा और लोकमंच लोक धरोहर अहिवारा लीलाधर साहू की प्रस्तुति हुई। वहीं छत्तीसगढ़ के ख्याति प्राप्त लोक गायक ,गायिकाओं में वरिष्ठ लोक गायिका कविता वासनिक, लोक गायक हिरेश सिन्हा व जितेश्वरी सिन्हा, लोक गायिका चम्पा निषाद, तुषान्त बारले, आरती बारले, जागेश्वरी मेश्राम, योगिता लहरी और प्रीति रात्रे डभरा की भी प्रस्तुति होगी।

विशिष्ठ अतिथियों को दिया गया पुरोधा सम्मान

आयोजन समिति के अध्यक्ष राजूलाल नेताम व संयोजक पद्मश्री राधेश्याम बारले ने बताया कि कार्यक्रम में अतिथियों ने विशिष्ट व्यक्तित्वों को पुरोधा सम्मान प्रदान किए। इनमें शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति सम्मान, मिनीमाता स्मृति सम्मान, बहादुर कलारिन स्मृति सम्मान और बिलासा बाई केवटिन स्मृति सम्मान से समाजसेवी, शिक्षाविद और कला जगत की 25 हस्तियों को एवं प्रावीण्य सूची में आने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पद्मश्री उषा बारले, प्रेम सागर चतुर्वेदी, पार्षद तुलसी ध्रुव , नटवर ताम्रकार, सतीश साहू,अश्विन डहरिया , सहदेव बंजारे , भोजराज बारले सहित बड़ी संख्या में कलाकार साहित्यकार व नागरिक उपस्थित थे।

मो रफी, लता व किशोर के गीतों ने समां बांधा, दर्शकों की मिली वाहवाही

रोज म्यूजिकल ग्रुप की संगीतमय प्रस्तुति 'द लेजेंड्स नाइट' में जुटे संगीत प्रेमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई को संगीत प्रेमियों की संस्था रोज म्यूजिकल ग्रुप की ओर से संगीतमय प्रस्तुति 'द लेजेंड्स नाइट'का आयोजन मंगलवार 12 अगस्त की शाम सत्य विजय ऑडिटोरियम सेक्टर-5 भिलाई में किया गया। इस संगीतमय संध्या में महान फिल्मी सुरसाधकों लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश चंद्र माथुर सहित सुनहरे दौर के सभी कलाकारों के एक से बढ़कर एक नगमे पेश किए गए।

मुख्य अतिथि शहर महापौर नीरज पाल थे। विशेष अतिथि समाजसेवी कैलाश बरमेचा, बीडी निजामी, दक्षी राजहरा से लतीफ खान, संगीत शिक्षक रफीक अली, संगीत जगत से जुड़े विशेष अतिथि वॉइस ऑफ छत्तीसगढ़ के अनिल बल्लेवार, राजेश जैन सराफ, साईं म्यूजिकल ग्रुप दुर्ग के हाजी मिर्जा बेग, शारिक अली मन्नी, कशिश ग्रुप से जाहिद अली, आर्केस्ट्रा जुनून से संदीप राजपूत, सीमा पटेल, आर्केस्ट्रा शाहिद-आरिफ से शाहिद खान, अनामिका ग्रुप से तरुण देशमुख, मोहम्मद खान रिजवी और विशाल गुप्ता उपस्थित थे।

आयोजन की शुरुआत में अतिथियों ने फिल्मी पार्श्व गायन के महान कलाकारों दिवंगत मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, किशोर कुमार और मुकेश को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सभी कलाकारों की सधी हुई प्रस्तुतियों के लिए शुभकामनाएं दी। देर रात तक चली इस सुरमयी संध्या में 40 से ज्यादा सुरीले नगमों की प्रस्तुति हुई। जिसमें हमसफर मेरे हमसफर, दिल ने फिर याद किया, चाहूंगा मैं तुझे शाम सवेरे, करवटें बदलते रहे, तेरे चेहरे से नजर नहीं हटती, मुझे तुम मिल गए हमदम, पत्थर के सनम, आंखों ही आंखों में इशारा हो गया, ओ हंसिनी, मेरे मन की गंगा, तारों में सजके, तुझको पुकारे मेरा प्यार और हंसता हुआ मेरा चेहरा सहित सुनहरे दौर के एक से बढ़कर एक गीतों को कलाकारों ने पेश किया। रोज म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों में इन कलाकारों में युसूफ जमाल, सुखबीर सिंह ब्रोका, आरिफ हुसैन, ख्वाजा अजमुद्दीन, संजय लाल, कासिम रायपुरी, शौकत इकबाल, नरेंद्र कुमार ताम्रकार, हुपेंद्र, संजय सिंह, नीतू गोस्वामी, भारती जैन, आरती ठाकुर, सरस्वती चित्रा, शिखा मलिक, सी किरण, बेबी अलीना, बेबी नियति शुक्ला, सचिन सोनवानी रायपुर, रोज म्यूजिकल ग्रुप के मोहम्मद अली और कमाल अख्तर ने अपने सुरों का जादू बिखेरा। इन कलाकारों के साथ ऑर्केस्ट्रा टीम में सिंथेसाइजर पर वृंदावन मालिक व संजय सिंह, गिटार पर आशुतोष लांजेवार,ढोलक पर सदानंद चंदेल, इलेक्ट्रॉनिक पैड पर आशुतोष मलिक व दीप और हैंडसोनिक पर उपेंद्र ने संगत की। देर रात तक श्रोता इन गीतों भरी महफिल में मौजूद रहे।

श्री कृष्ण, बर्बरीक, पांडव संवाद, राधे कृष्ण का नौका विहार, जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती दिव्य झांकी

श्री कृष्ण के दिव्य कर्तव्यों से सुसज्जित भव्य झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर-7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में श्री कृष्ण के दिव्य कर्तव्यों को दर्शाती बहते झरनों और नदियों के मध्य लाइट एंड साउंड द्वारा सुसज्जित भव्य जीवंत झांकी सभी के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी, द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

झांकी के प्रवेश द्वार में ही श्रीकृष्ण के बाल रूप को माखन से भरे पात्रों के मध्य कान्हा जी का नयनाभिराम दृश्य सभी को उमंग उत्साह खुशी आनंद से भरपूर जीवन जीने का अनुभव करता है जो कि संदेश देता है कि जब हम शुद्ध मन व विनम्रता से भरपूर रहते हैं तो हमारे छोटे-छोटे कर्म भी यादगार बन जाते हैं। झांकी के मध्य में बने हंस व पर्वत से बहते झरने एवं कलकल नदी में राधे कृष्ण द्वारा नौका विहार निश्चिंत जीवन को दर्शाता है।

संस्कार मिलन की महारास मधुर व्यवहार

श्री कृष्ण का गोप, गोपिकाओं के साथ संस्कार मिलन की महारास अर्थात कोई कैसी भी संस्कार वाली मनुष्य आत्मा हो मुझे सर्व के साथ सदा शुभ भावना, शुभकामना के साथ मधुर व्यवहार की महारास करना है। श्री कृष्णा द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने का दृश्य सर्व के सहयोग से सुखमय संसार अर्थात सर्व शक्तिमान जगत नियंता ने स्वयं सभी की अंगुली लगाकर गोवर्धन पर्वत उठाया जो कि उनके विनम्रता की पहचान है।

भगवान को प्रेम की डोर में बांधा

मईया यशोदा द्वारा श्री कृष्ण जी को रस्सी से बांधने का दृश्य सभी को भाव विभोर कर रहा है, असीम शक्ति जगत नियंता को मईया यशोदा ने अपने पुत्र के रूप में स्नेह की डोर से बांधा, अर्थात हम सभी भगवान को विभिन्न संबंधों द्वारा स्नेह से बांध सकते हैं और स्वयं जगत नियंता स्नेह की डोर में बंधने के लिए सदैव तत्पर रहते है। झांकी के अंत में महाभारत युद्ध के पश्चात श्री कृष्ण द्वारा पांडवों के मिथ्या अभिमान को सम्पूर्ण महाभारत युद्ध को तटस्थ होकर साक्षी भाव से देखने वाले बर्बरीक के समक्ष दूर करने का अति मनोरम शिक्षाप्रद दृश्य जो वर्तमान परिपेक्ष्य में अभिमान वश विभिन्न स्वभाव, संस्कारों द्वारा संबंधों के टकराव में आ जाते हैं। यह झांकी सर्व के निशुल्क दर्शनार्थ 17 अगस्त 2025, रविवार तक प्रतिदिन संध्या 5:30 से रात्रि 9:30 बजे तक रहेगी। जिसमें करावनहार की शक्ति,कर्तव्य एवं विनम्रता का दिव्य दर्शन स्पष्ट, सरल एवं सहज रूप से जीवन में सकारात्मक उच्च धारणाओं को अपनाने की प्रेरणा देता है।

राष्ट्रीय ध्वज लेकर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए विधायक

सीआईएसएफ के जवानों ने किया मार्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन नगर निगम रिसाली में किया गया। विधायक ललित चंद्राकर और निगम आयुक्त मोनिका वर्मा तिरंगा यात्रा का नेतृत्व की। इस दौरान नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र के लोगों को तिरंगा भी सौंपा जा रहा है।

बुधवार रिसाली निगम मुख्य के लिए झंडी दिखाई। कर्मचारियों कार्यालय से तिरंगा यात्रा की शुरूआत हुई। यात्रा को निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने नगर भ्रमण और नागरिकों ने जयकारे लगाते हुए वार्ड 13 टंकी मरोदा, वार्ड 14 मरोदा टैंक, मरोदा सेक्टर पूर्व, मरोदा सेक्टर पश्चिम का भ्रमण करते हुए तिरंगा यात्रा रिसाली सेक्टर पश्चिम, डीपीएस रिसाली होते हुए वापिस मैत्री नगर परशुराम चैक पहुंचा। यहां पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ने परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पद यात्रा करते जोहार चैक पहुंचे। विधायक ने शहीद रजनीकांत प्रतिमा स्थल पर पुष्पांजली अर्पित कर श्रद्धांजली दी। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद सुनंदा चंद्राकर, रमा साहू आदि उपस्थित रहे।

मेनगेट परेड ग्राउंड में होगा बीएसपी का मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह, निदेशक प्रभारी करेंगे ध्वजारोहण

इस्पात भवन के सामने भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर समारोह की तैयारियां पूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेनगेट परेड ग्राउंड में मुख्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र प्रात: 9.00 बजे ध्वजारोहण करेंगे। मुख्य अतिथि श्री चित्त रंजन महापात्र, स्वतंत्रता दिवस पर संयंत्र सामूहित कों संबोधित करेंगे। तत्पश्चात मुख्य अतिथि परेड का निरीक्षण करेंगे, व मार्च-पास्ट केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, अग्निशमन एवं एन.सी.सी. व स्काउट एंड गाइड द्वारा किया जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संयंत्र के प्रमुख स्थानों पर ध्वजारोहण प्रात: 08:15 बजे किया जाएगा। संयंत्र भवन में कार्यपालक

निदेशक (संकार्य) द्वारा, इस्पात भवन में कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) द्वारा, एक्सपांशन भवन में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) द्वारा, रिफैक्ट्री स्टोर्स में कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) द्वारा, एचआरडी सेंटर में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) द्वारा, नगर सेवाएं विभाग में कार्यपालक निदेशक (खदान) द्वारा, एवं सी.ई.जेड कॉम्प्लेक्स में कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (रावघाट) द्वारा ध्वजारोहण सम्पन्न किया जाएगा। साथ ही संयंत्र के अन्य सभी विभागों में विभागप्रमुखों द्वारा, इस्पात क्लबों में संबंधित क्लब के अध्यक्षों द्वारा तथा विद्यालयों में विद्यालय प्रमुखों के द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा।

भिलाई महिला समाज द्वारा प्रात: 10:00 बजे संयंत्र के मुख्य चिकित्सालय जवाहरलाल नेहरू अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र में ध्वजारोहण एवं मरीजों को फ्ल वितरण किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीडा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिविक सेंटर स्थित, महात्मा गाँधी कलामंदिर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम (ऑर्केस्ट्रा) का आयोजन संध्या 7:30 बजे से किया जा रहा है। इस संगीत संध्या में अंतरविभागीय संगीत प्रतियोगिता के विजेता कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस नि:शुल्क कार्यक्रम में इस्पात नगरी के संगीत एवं कलाप्रेमी सादर आमंत्रित हैं।

स्वतंत्रता दिवस आयोजन के लिए किया गया अंतिम पूर्वाभ्यास

दुर्ग। जिला मुख्यालय में गरिमामय स्वतंत्रता दिवस आयोजन के लिए आज कलेक्टर अभिजीत सिंह और एसएसपी विजय अग्रवाल की मौजूदगी में अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। सहायक कलेक्टर अभिजीत बबन पठारे ने पूर्वाभ्यास के दौरान मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। मंच पर मुख्य अतिथि के आगमन व ध्वजारोहण का अभ्यास के साथ ही कलेक्टर और एसएसपी के साथ परेड निरीक्षण, प्लाटूनों द्वारा मार्च पास्ट, हर्ष फायर, प्लाटून कमांडरों से परिचय, खुले आकाश में रंग बिरंगे गुब्बारे छोड़ने, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फोटो सेशन सहित संपूर्ण आयोजन का पूर्वाभ्यास किया गया। इस अवसर पर एडीएम श्री वीरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत के सीइओ बीके दुबे, एडीशनल एसपी सुखनंदन राठौर, एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम उत्तम ध्रुव आदि मौजूद रहे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

भव्य तिरंगा यात्रा से गूंजा रायपुर

एकता, सुरक्षा और विकास का संदेश, सीएम विष्णुदेव साय बोले- हर घर तिरंगे से सजे छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का एक महान अनुष्ठान है, जो भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान-शान है, इसकी रक्षा और मान-सम्मान के लिए हर नागरिक को दृढ़संकल्पित होना चाहिए। स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हर घर तिरंगा फहराएगा और भारत आर्थिक एवं सांस्कृतिक रूप से और अधिक सशक्त बनेगा।

मुख्यमंत्री साय ने 'भारत माता की जय' और 'छत्तीसगढ़ महतारी की जय' के उद्घोष के साथ जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत एक सशक्त और सम्मानित राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने हाल ही में पहलगाम में हुए कायराना हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' में हमारे वीर जवानों द्वारा दिखाए गए साहस और पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है, जिसने तिरंगे की शान को और ऊंचा किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बीते डेढ़ वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार एरिया डॉमिनेशन कर नक्सलियों का प्रभुत्व समाप्त किया है। उन्होंने कहा कि जहाँ कभी नक्सलियों का लाल झंडा लहराता था, आज वहां तिरंगा शान से लहरा रहा है। कई संवेदनशील गांवों में बरसों बाद गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुनः तिरंगा फहराया गया है, जो शांति, विकास और सुरक्षा का नया संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि तिरंगा हमारा मान, अभियान और पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रगति और खुशहाली की ओर अग्रसर है। यह तिरंगा यात्रा उन वीर सैनिकों को समर्पित है जिन्होंने इसकी रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर किया। कार्यक्रम में विभिन्न सैन्य अभियानों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रदेश के भूतपूर्व सैनिकों को भी सम्मानित किया गया।

विधायक किरण सिंह देव ने कहा कि तिरंगा हमारी पहचान और हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यह हमें एकजुट करता है और हमें याद दिलाता है कि हम सब एक भारत हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। तिरंगा यात्रा में विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू, छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भव्य तिरंगा यात्रा- एकता और उत्साह का अद्भुत संगम

उल्लेखनीय है कि आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत रायपुर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। रायपुर के शहीद स्मारक भवन से तेलीबांधा तक निकली तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं शामिल हुए और हजारों नागरिकों के साथ कदम से कदम मिलाकर देशभक्ति का संदेश दिया। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से पूरा मार्ग गूंज उठा।

विकसित भारत 2047 और 'छत्तीसगढ़ अंजोर' विजन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तिरंगे की असली गरिमा तब और बढ़ेगी जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ ने भी 'विकसित छत्तीसगढ़' का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ अंजोर' विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया है, जिसमें प्रदेश के समग्र विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने घरों पर तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता संग्राम के वीरों का स्मरण करें।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय छान-बीन समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की बैठक टी.आर.टी.आई सभाकक्ष, नवा रायपुर में सम्पन्न हुई। आज की बैठक में कुल 08 सामान्य प्रकरण सुनवाई हेतु रखे गये थे जिसमें 02 प्रकरणों में सुनवाई हेतु संबंधित पक्षकार उपस्थित हुए इनमें से 01 प्रकरण में आगे गहन जांच हेतु विजिलेंस सेल को निर्देशित किया गया जबकि दूसरे प्रकरण में जाति प्रमाण-पत्र को निरस्त करने संबंधी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा 1 प्रकरण में पक्षकार के प्रतिनिधि के रूप में अधिवक्ता द्वारा पक्ष रखा गया। जिन 05 प्रकरणों में धारक या उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए थे उन्हें एक अंतिम अवसर प्रदान करते हुए समिति की आगामी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने संबंधी निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार न्यायालय से प्राप्त कुल 09 प्रकरणों पर विचार-विमर्श पश्चात् समिति ने 06 प्रकरणों में पक्षकार को अपना पक्ष रखने एवं गवाह व साक्ष्य के साथ आगामी बैठक में आहूत किया है जबकि 02 प्रकरणों में माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर ने समिति द्वारा पूर्व में जारी आदेश को सही ठहराते हुए उनके द्वारा लगायी गई स्थगन याचिका को खारिज कर दिया है। एक प्रकरण में सामाजिक प्रास्थिति अध्ययन हेतु निर्देशित किया गया है। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा द्वारा टी.आर.टी.आई. परिसर में निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय के निर्माणकार्य की भी अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंनें डीजिटल प्रेजेंटेशन के माध्यम से संग्रहालय की सभी गैलरियों की समीक्षा की एवं ततसंबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय भावी युवा पीढ़ी को देश के स्वतंत्रता संग्राम में प्रदेश के आदिवासी जननायकों के शौर्य एवं बलिदान को सदैव स्मरण कराता रहेगा।

बस्तर के विकास को गति देना हमारी प्राथमिकता-उपमुख्यमंत्री शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सुकमा जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र कोंटा के 110 बच्चों ने मंत्रालय, महानदी भवन में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात की। ये बच्चे 'स्वामी विवेकानंद युवा प्रोत्साहन योजना' के तहत राजधानी रायपुर के शैक्षणिक भ्रमण पर आए थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बच्चों से संवाद किया और उन्हें विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार बस्तर के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सुकमा वर्षों तक विकास की धारा से वंचित रहा, लेकिन हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यहां के हर गांव तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचे। उन्होंने भ्रमण पर आए बच्चों से कहा कि आपका उज्ज्वल भविष्य ही हमारी प्राथमिकता है।

सुकमा में तेजी से हो रहे विकास कार्य: उपमुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि सुकमा के गांवों में सड़क निर्माण, मोबाइल टावर लगाने, स्कूलों के विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को सरकार ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सुकमा के दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 'नियद नेल्ला नार योजना' के तहत वहां तेजी से बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि हम चाहते हैं कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, ताकि वे अपने क्षेत्र और प्रदेश के विकास में योगदान दे सकें। उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकार आपके साथ है और हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सुकमा में बेहतर स्कूल, छात्रावास, स्वास्थ्य केंद्र और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इस शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बच्चों ने रेलवे स्टेशन, मंत्रालय, मॉल, साइंस सेंटर इसके अलावा उन्होंने पुरखौती मुक्तांगन को भी देखा।

नई दिल्ली के स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होगी लखपति दीदी खिलेश्वरी

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने प्रदेश की महिलाओं को कर रही है प्रेरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम गब्दी की खिलेश्वरी ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है, बल्कि अब वह नई दिल्ली में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने वाली है। लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बनाने वाली खिलेश्वरी की यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे बालोद जिले के लिए गर्व का विषय है। नई दिल्ली में 15 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में खिलेश्वरी का विशेष अतिथि के रूप में शामिल होना एक ऐतिहासिक क्षण है।

जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम गब्दी की खिलेश्वरी, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत के तहत गठित जय संतोषी स्व-सहायता समूह की सदस्य है जिनका परिवार कुछ समय पूर्व मुख्यतः कृषि मजदूरी पर निर्भर था किन्तु खिलेश्वरी देवांगन की परिवार को आगे बढ़ाने की ललक ने उन्हें एक नया मुकाम दिया है। उन्होंने अपनी मेहनत और उद्यमशीलता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव की एक नई कहानी लिखी है। उन्होंने बिहान योजना के अंतर्गत मुर्गीपालन और किराना दुकान का संचालन शुरू किया, जिसके जरिए उन्होंने न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि लाखों रुपये की वार्षिक आय अर्जित कर लखपति दीदी का खिताब हासिल किया।

इन्होंने सर्वप्रथम दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ने पश्चात् महिलाओं के संगठन तैयार करना तथा वित्तीय साक्षरता सामुदायिक स्त्रोत व्यक्ति के रूप में चयनित होकर महिलाओं को वित्तीय साक्षरता प्रदान कर रही है। इस कार्य के माध्यम से 02 करोड़ से अधिक की राशि क्षेत्र के समूहों को बैंक ऋण दिलाने में सहयोग रहा है। इस सेवा हेतु मासिक 6360 रू. राशि मानदेय के रूप में प्राप्त हुआ है तथा खेती कार्य के साथ-साथ मुर्गीपालन, मछलीपालन, किराना दुकान, फैन्सी स्टोर्स गतिविधि प्रारंभ किया गया इस कार्य हेतु स्वयं के तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली सीआईएफ की राशि का उपयोग कर मुर्गी शेड का निर्माण, मुर्गी पालन हेतु डिंक्कर फ्रीडर की व्यवस्था हेतु किया गया। खिलेश्वरी को सभी गतिविधियों के माध्यम से कुल 04 लाख 60 हजार रूपए वार्षिक आय प्राप्त हुई है। कभी घर तक सीमित रहने वाली खिलेश्वरी देवांगन अपने दृढ़ इच्छाशक्ति एवं दीनदयाल अंत्योदय योजना (बिहान) के सहयोग से आज ''लखपति दीदी'' के रूप में पहचान बना चुकी है और क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनकर उभरी है।

खिलेश्वरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि शासन की इन योजनाओं ने मुझे आत्मविश्वास और संसाधन दिए। मुर्गीपालन और किराना दुकान ने मेरे जीवन को बदला और आज मुझे दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने का मौका मिल रहा है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। खिलेश्वरी ने जिला प्रशासन बालोद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन के निरंतर सहयोग से ही यह संभव हो पाया है कि ग्रामीण महिलाएं अब आत्मनिर्भर बनकर अपनी अलग पहचान बना पा रही हैं।

किसानों को एग्रिस्टेक किसान पंजीयन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एसडीएम, उप संचालक कृषि, एएसडीओ, सहायक कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि सहकारी समिति के प्रबंधकों का बैठक लेकर विस्तृत समीक्षा किया, जिसमें कलेक्टर ने जिले के एग्रिस्टेक पोर्टल में किसान पंजीयन कराने में शेष 10 हजार किसान का समितिवार, सहायक कृषि विस्तार अधिकारी के क्षेत्रवार समीक्षा कर उन्हें 10 दिवस के भीतर पंजीयन कराने के निर्देश दिए।

साथ ही जो किसान या हितग्राही जो गांव में निवासरत नहीं है, उनको फोन के माध्यम से जिस मोबाइल नंबर में उनका आधार लिंक है। ओटीपी के माध्यम से पंजीयन कराने के निर्देश दिए ताकि कोई भी किसान आगामी सीजन में धान बिक्री करने में वंचित न हो। साथ ही समिति प्रबंधकों से फील्ड में पंजीयन करने में क्या समस्या आ रही का फीडबैक लेकर उन्हें हल कराने के निर्देश उप संचालक कृषि को दिए। इसी प्रकार धान के बदले अन्य फसल का उत्पादन करने के लिए बड़े किसानों को प्रोत्साहित करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु कलेक्टर ने सभी कृषि विस्तार अधिकारी और एएसडीओ को निर्देश दिए।

फसलों का डिजिटल सर्वेक्षण 15 अगस्त से 30 सितंबर तक किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सभी एसडीएम और तहसीलदार को निर्देश दिए कि वे पटवारी, कोटवार और सर्वेयर के माध्यम से खेतों में जाकर पूरी गम्भीरता से फसल सर्वेक्षण कार्य करने के निर्देश दिए ताकि वास्तविक स्थिति का आंकलन किया जा सके।

कलेक्टर डॉ संजय ने जिले में खाद बीज की मांग, भंडारण वितरण का विस्तृत समीक्षा किया, जहां सोसाइटी में यूरिया की कमी है, वहां सोसायटी द्वारा मांग किए जाने पर 03-04 रैक मिलने पर भेजने की बात कही। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने सभी एसडीएम और कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राइवेट दुकानों पर छापामार कर उनके स्टॉक पॉस मशीन में एंट्री, उसकी गुणवत्ता परीक्षण कर यह भी देखे कि प्राइवेट दुकानदार अधिक दाम पर खाद बीज न बेचे अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने

सभी कृषि के अधिकारियों को फील्ड में दौरा कर किसानों से निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर प्रकाश सर्वे, एसडीएम वर्षा बंसल और अनिकेत साहू, उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव उपस्थित थे।

तिरंगा की आन, बान और शान को बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी : विधायक नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन के आह्वान पर स्वतंत्रता दिवस के पूर्व आज विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन कांकेर नगर में किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक, विद्यार्थी, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक तथा गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। इसमें सम्मिलित लोगों ने हाथों में राष्ट्रध्वज तिरंगा लेकर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए जयघोष के साथ यात्रा निकाली। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रध्वज तिरंगा देश की आन, बान व शान है और इसे अक्षुण्ण बनाए रखना हम सबकी यानी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

नरहरदेव शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सांस्कृतिक मंच में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांकेर विधायक श्री नेताम ने आगे कहा कि देश की सीमा पर चौबीसों घण्टे मुस्तैदी से डंटे जांबाज सैनिकों का मनोबल इसी तिरंगा से बढ़ता है। सरहद पर रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों की बलिदानी को कभी भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से तिरंगा के सम्मान और गौरव को ऊपर रखते हुए राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरतलाल मटियारा, हस्तशिल्प कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत और नागरिक महेश जैन ने भी अपने उद्बोधन में तिरंगा यात्रा की सार्थकता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए देशभक्ति के जज्बे को हमेशा जागृत रखने की बात कही। जिला पंचायत के सीईओ श्री हरेश मंडावी ने भी तिरंगा यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके उद्देश्य की जानकारी दी। इसके पश्चात सभी उपस्थितजनों ने हाथों में राष्ट्रध्वज तिरंगा लेकर नरहरदेव स्कूल से निकलकर शहर के नगर घड़ी चौक, सेन चौक से गुजरते हुए वापस नरहरदेव स्कूल परिसर में पहुंचकर बाइक रैली का समापन किया।

5 टिप्सः मानसून में ऐसे टिका रहेगा मेकअप

बारिश के मौसम में न केवल आप के बालों में चिपचिपाहट हो सकती है, बल्कि आपका खूबसूरत मेकअप भी बिगड़ सकता है. जरा सोचिए, अगर बारिश के मौसम में आप पार्टी के लिए तैयार हो कर निकलें और अचानक बारिश होने लगे तो आप का सारा मेकअप बह जाएगा. इसी परेशानी से बचने के लिए पेश हैं, इस मौसम में मेकअप करने के कुछ सुझावः

क्लीनिंग है जरूरी

मानसून में स्किन की सही देखभाल के लिए चेहरे को नियमित फेस वौश करें. चेहरा धोने के 10 मिनट बाद उस पर बर्फ का टुकड़ा रब करें. इस से मेकअप अधिक समय तक टिकता है और साथ ही मौनसून में डल स्किन को भी फ्रैश लुक मिलेगा. अगर आप की स्किन औयली है तो ऐस्ट्रिंजैंट का इस्तेमाल करें. जिन की त्वचा सामान्य या ड्राई हो वे इस मौसम में फेस वाश के बाद टोनर का इस्तेमाल करें.

प्राइमर का करें सही इस्तेमाल

अगर आप के चेहरे पर ज्यादा दागधब्बे और हलके गड्ढे अथवा दाने हैं, तभी प्राइमर लगाएं, क्योंकि ऐसा करना इस मौसम में उपयुक्त होगा. प्राइमर स्किन की सतह को समतल कर देगा, जिस से मेकअप ज्यादा देर तक टिका रहेगा. लेकिन जिन्हें ऐसी समस्या नहीं है उन्हें प्राइमर लगाने की जरूरत नहीं है.

मानसून में मेकअप करने से पहले चेहरे पर जैली प्राइमर का प्रयोग कर लें. प्राइमर लगा कर 2-3 मिनट के लिए छोड़ दें. उस के बाद अगला स्टैप करें. इस से प्राइमर ज्यादा टाइम तक टिकता है. बारिश में कंसीलर के इस्तेमाल से बचें, क्योंकि बारिश का पसीने वाला मौसम कंसीलर को चेहरे पर टिका नहीं रहने देता. फिर भी आप को कंसीलर की सख्त जरूरत हो तो क्रेयान कंसीलर का विकल्प चुन सकती हैं.

आईशैडो का करें ऐसे इस्तेमाल

मानसून के दौरान अपनी आईब्रोज को हमेशा सैट रखें और आईब्रोज पैंसिल का इस्तेमाल भूल से भी न करें. इन दिनों पैंसिल के बहने का डर रहता है. जहां तक संभव हो आईशैडो का प्रयोग न ही करें. यदि करना ही पड़े तो आईशैडो में क्रीम के बजाय पाउडर का प्रयोग करें ताकि वह मैल्ट हो कर आप के खूबसूरत चेहरे को खराब न करे. यह क्रीम आईशैडो के मुकाबले ज्यादा देर तक टिका रहता है. इस में भी कुछ नैचुरल शेड्स जैसे पिंक या ब्राउन का प्रयोग करें. स्मज फ्री काजल का इस्तेमाल करें. पलकों पर वाटरप्रूफ मसकारा लगाएं. यह ज्यादा देर तक टिकेगा. मौनसून में ब्लैक की जगह कलरफुल लाइन के साथ ट्रांसपैरेंट मसकारा इस्तेमाल करें.

लिपस्टिक के साथ लिप बाम भी रखें जरूर

लिपस्टिक आप के चेहरे से डलनैस दूर करने का काम करती है. दोस्तों से मिलना हो या आउटिंग पर जाना हो, अच्छे ब्रैंड और स्किन टोन के हिसाब से लिपस्टिक जरूर लगाएं. लेकिन उस पर लिप ग्लौस न लगाएं, क्योंकि यह ग्लौस आसानी से मिट जाता है (विकल्प के तौर पर आप ज्यादा देर तक टिका रहने वाला शीयर ग्लौस लगा सकती हैं). अगर लिपस्टिक न लगाती हों तो बैग में अच्छे ब्रैंड का लिप बाम जरूर रखें. इसे दिन में 2-3 बार लगाएं, क्योंकि फटे होंठ लुक खराब करते हैं. इसलिए लिप बाम लगा कर होंठों को मुलायम बनाएं. लिपस्टिक को लौंग लास्ट करने के लिए अपने होंठों पर पहले लूज पाउडर का एक हलका सा कोट लगा लें. अब कौटन बौल से ऐक्स्ट्रा पाउडर झाड़ कर साफ कर लें. यह आप की लिपस्टिक के लिए एक परफैक्ट बेस का काम करता है. अब लिप लाइन पर हलके रंग का लिप लाइनर प्रयोग कर लें. अगर आप के होंठ पतले आकार के हैं, तो लिप लाइन के बाहर की ओर लाइनर का प्रयोग करें. यदि आप अपने होंठ पतले दिखाना चाहती हैं, तो होंठों के अंदर लिप लाइनर का इस्तेमाल करें. लिपस्टिक लगाने के बाद एक हलका सा लूज पाउडर का कोट एक बार फिर लगा लें. इस से आप के होंठों पर लिपस्टिक ज्यादा देर तक लगी रहेगी.

सही फाउंडेशन है जरूरी

उमस के मौसम में मेकअप के पसीने के साथ बहने की संभावना के चलते लिक्विड या क्रीम फाउंडेशन के बजाय ऑयलफ्री मॉइश्चराइजर का हलका कोट लगाया जा सकता है. टचअप के लिए हलका कौंपैक्ट पाउडर लगा सकती हैं. फाउंडेशन की जगह टिंटेड मौइश्चराइजर का भी प्रयाग किया जा सकता है.मानसून के दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आप का ब्लश सौम्य पर परिधान पर सूट करता होना चाहिए. बेहतर होगा इस दौरान शिमरी ब्लश यूज में न लाएं, क्योंकि यह चिपचिपा लुक देता है, साथ में पानी के कौंटैक्ट में आने पर बहने भी लगता है. पाउडर ब्लश के बजाय आप क्रीम ब्लश इस्तेमाल कर सकती हैं. अगर आप थोड़ा और कलर व उभार चाहती हैं तो क्रीम ब्लश के ऊपर पाउडर ब्लश लगाएं ताकि यह गालों पर ज्यादा देर तक टिका रहे, जो आप के चेहरे पर चमक व कलर लाने के साथसाथ खूबसूरती भी बढ़ाता है।

अक्सर रहते हैं चिंतित और परेशान ? ये चार आदतें तुरंत छोड़ दें वरना बढ़ सकता है डिप्रेशन का खतरा

मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ती हुई रिपोर्ट की जा रही है, विशेषकर कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से इससे संबंधित रोगियों के मामले काफी ज्यादा बढ़े हैं। मेडिकल साइंस कहता है, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं, ऐसे में एक में होने वाली समस्या की असर दूसरे की सेहत को नकारात्मक तौर से प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि सभी लोगों को नियमित रूप से अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखने वाले उपाय करने की सलाह दी जाती रही है, इसमें मानसिक सेहत का ख्याल रखना भी शामिल है।

सामान्यतौर पर मानसिक स्वास्थ की समस्याओं की शुरुआत चिंता-तनाव विकारों के साथ होती है, जिसपर अगर ध्यान न दिया जाए तो यह ब्लड प्रेशर बढ़ाने के साथ हृदय रोग और अवसाद जैसी गंभीर समस्याओं का कारण तक बन सकती है।

विशेषज्ञ कहते हैं चिंता-तनाव जैसी समस्याएं अब कम उम्र के लोगों में भी देखी जा रही है, इसलिए सभी लोगों को इसको लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है, इसके लिए आहार और दिनचर्या में विशेष बदलाव की आवश्यकता होती है। आइए जानते हैं कि कौन सी आदतें इन समस्याओं को ट्रिगर कर सकती हैं जिससे सभी लोगों को बचाव करते रहना जरूरी होता है।

अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन

यदि आप भी कॉफी के बहुत ज्यादा शौकीन लोगों में से एक हैं तो यहां थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। बहुत ज्यादा कॉफी पीना आपके तनाव को दूर नहीं बल्कि बढ़ा सकता है। तनाव महसूस करने की स्थिति में शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। अध्ययनों में पाया गया है कि कैफीन, कोर्टिसोल के रिलीज को ट्रिगर करता है। इसका मतलब है कि यदि आप कैफीन वाली चीजों का अधिक सेवन करते हैं तो इसकी मात्रा को कम कर दें।

धूम्रपान की आदत हानिकारक

धूम्रपान को सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक माना जाता है, यह चिंता-तनाव विकारों को भी बढ़ा देता है। धूम्रपान से रिलीज होने वाली निकोटीन आपके मस्तिष्क में रसायनों के असंतुलन को बढ़ा देती है जिससे हृदय गति और रक्तचाप बढ़ने का खतरा हो सकता है। यह आपको चिड़चिड़ा और चिंतित महसूस करवा सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग धूम्रपान नहीं करते हैं उनमें तनाव, चिंता और अवसाद का स्तर कम होता है।

सोशल मीडिया पर कम समय बिताएं

सोशल मीडिया से हमेशा चिपके रहने वाले लोगों में भी मानसिक स्वास्थ्य की बढ़ती समस्याओं का जोखिम अधिक पाया गया है। सोशल मीडिया पर लगातार समय बिताते रहने की आदत हमें तनावग्रस्त महसूस करवा सकती है। सोशल मीडिया पर बार-बार दिखने वाले कंटेंट के आधार पर हमारा मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है। सभी लोगों, विशेषकर बच्चों को इस तरह की आदतों से बचाना चाहिए।

नींद की कमी के नुकसान

नींद की कमी मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की सेहत को गंभीर क्षति पहुंचा सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों की रोजाना रात में कम से कम 7-9 घंटे की नींद पूरी नहीं होती है उनमें अन्य लोगों की तुलना में तनाव-चिंता विकार बढ़ने का खतरा अधिक हो सकता है। नींद की कमी रक्तचाप बढ़ाने के साथ आपकी शारीरिक सेहत को भी कई प्रकार से प्रभावित कर सकती है।

आश्रम फेम अदिति पोहनकर खूबसूरती के मामले में कई अभिनेत्रियों को देती हैं टक्कर, ताजा फोटोज में दिखाई ग्लैमरस अदाएं

वेब सीरीज आश्रम में भोली-भाली लड़की का किरदार निभाने वाली अदिति पोहनकर आज ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि हुस्न और खूबसूरत अदाओं से भी फैंस के दिलों पर छुरियां चलाती हैं. जी हां हम बात कर रहे आश्रम वेब सीरीज की पम्मी यानी अदिति पोहनकर की. अदिति पोहनकर की रियल लाइफ से रूबरू करवा रहे हैं. अदिति पोहनकर कई वेब सीरीज और मूवीज में काम कर चुकी है, अदिति पोहनकर को असली पहचान 'आश्रम' वेब सीरीज से मिली है. इस सीरीज ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया. जिसके बाद उनकी लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव देखने को मिला.अदिति ने अपना एक्टिंग करियर हिंदी मूवी 'लव सेक्स और धोखा (2010)' से शुरू किया था. इसके बाद वो मराठी फिल्म 'कुनासाथी कुनितारी' में भी दिखाई दी. लेकिन अदिति असली पहचान ओटीटी प्लेटफॉर्म से मिली थी. उनकी पहली वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर आई सीरीज शी थी. इस सीरीज में भी उनका बोल्ड अवतार देखने को मिला था. इसके बाद अभिनेता बॉबी देओल के साथ 'आश्रम' में काम करने का मौका मिला और उन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग से पूरे देश का दिल जीत लिया. सीरीज में बॉबी के साथ-साथ उनके काम भी खूब तारीफ होती है. आपको बता दें कि बॉबी देओल की वेब सीरीज 'आश्रम 3' का पार्ट 2 अब रिलीज हो चुका है. जो रिलीज के साथ ही लोगों के दिलों पर छा गया है.

क्या डायबिटीज रोगी खा सकते हैं सेब? यह हैं इस फल से सेहत को होने वाले अद्भुत स्वास्थ्य लाभ

डायबिटीज रोगियों के लिए अपने आहार का चयन करना हमेशा से बड़ी चुनौती रही है। अधिक शर्करा वाली चीजों के सेवन से ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का खतरा रहता है, ऐसे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ मधुमेह रोगियों को अपने लिए सब्जियों-फलों का चयन करते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। विशेषरूप से आप किन फलों का सेवन करते हैं, इसका ख्याल रखना बहुत आवश्यक हो जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए एक सवाल सभी लोगों के मन में बना रहता कि क्या डायबिटीज रोगी सेब खा सकते हैं? इसका कारण यह है कि वैसे तो सेब प्राकृतिक रूप से पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं लेकिन इसका स्वाद मीठा होता है?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज रोगियों के लिए आहार का चयन करते समय ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) पर ध्यान देना चाहिए। ग्लाइसेमिक इंडेक्स वह पैमाना है जिससे यह पता लगाया जाता है कि भोजन में पाए जाने वाले कार्बोहाइड्रेट को ग्लूकोज बनने में कितना समय लगता है?

सामान्यतौर पर कुछ अपवादों को छोड़कर 55 से कम जीआई वाली चीजों को शुगर रोगियों के लिए सुरक्षित माना जाता है। आइए जानते हैं कि इस आधार पर क्या डायबिटीज रोगियों के लिए सेब खाना फायदेमंद है या नहीं?

डायबिटीज रोगियों के लिए सेब

आहार विशेषज्ञों का कहना है कि सेब, डायबिटीज रोगियों के लिए फायेदमंद फल हो सकता है। वैसे तो सेब में कार्बोहाइड्रेट अधिक होता है, लेकिन इसमें पाई जाने वाली हाई फाइबर की मात्रा आपके लिए विशेष लाभकारी हो सकती है। अध्ययन से पता चलता है सेब में मौजूद फ्रूक्टोज फाइबर के कारण रक्त शर्करा का स्तर प्रभावित नहीं होता है। सेब ग्लाइसेमिक इंडेक्स के मामले में भी डायबिटीज रोगियों के लिए उचित माना जाता है। सेब का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 36 होता है जो इसे डायबिटीज रोगियों के लिए उपयुक्त फल बनाता है। यह शरीर के लिए कई अन्य तरीक से भी लाभकारी फल माना जाता है।

सेब से न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य लाभ

न्यूरोलॉजिकल स्वास्थ्य समस्याओं के लिए भी सेब का सेवन करना लाभकारी हो सकता है। साल 2019 के एक प्रयोगशाला अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं ने पाया कि सेब में क्वेरसेटिन नामक एक कैमिकल कंपाउड पाया जाता है जो न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभाव के लिए जाना जाता है। यह उम्र से संबंधित न्यूरॉन हानि को रोकने में मदद कर सकता है। कुछ अध्ययन बताते हैं कि सेब खाने वाले लोगों में अल्जाइमर रोग का जोखिम कम होता है।

कोलेस्ट्रॉल का कम होता है खतरा

साल 2013 के एक अध्ययन में पाया गया कि सेब लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर सकता है, हालांकि सेब का जूस पीने से इस तरह के प्रभाव नहीं देखे गए हैं। अध्ययन में लेखकों ने निष्कर्ष निकाला कि सेब में फाइबर होता है जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। हालांकि अगर सेब को छिलके सहित खाया जाए तो इससे और अधिक अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

मोटापे का कम होता है खतरा

साल 2019 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, सेब में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं जो आंत के स्वस्थ बैक्टीरिया को बढ़ावा देने में मदद कर सकते हैं। यह मोटापे से ग्रस्त लोगों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव डाल सकता है। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि सेब का सेवन मोटापे के जोखिम को कम करने के साथ, पहले से ही मोटापे के शिकार लोगों की सेहत को सुधारने में मदद कर सकता है।

हर किरदार कुछ नया सबक देता है, इन दिनों मैं कार चलाना सीख रहीः कनिका मान

अभिनेत्री कनिका मान अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए कार चलाना सीख रही हैं। अनटाइटल्ड फिल्म को लेकर उत्साहित कनिका का मानना है कि हर किरदार कुछ नया सिखाता है।

फिल्म में उनके किरदार के लिए सड़क पर कुछ महत्वपूर्ण सीन्स की शूटिंग करनी है।

कनिका ने कहा, मेरा हमेशा से मानना है कि हर किरदार आपको कुछ नया सिखाता है। इस बार यह कार चलाना है!

उन्होंने आगे बताया, कभी-कभी यह डरावना लगता है, लेकिन गाड़ी चलाना और यह जानना कि मैं यह अपनी फिल्म के लिए सीख रही हूं, जो मेरे दिल के बहुत करीब है, बेहद रोमांचक है।

मुंबई की व्यस्त सड़कों और बारिश के बावजूद कनिका नियमित रूप से ड्राइविंग सीख रही हैं। उनकी लगन और उत्साह उनके किरदार के प्रति समर्पण को दिखाते हैं।

कनिका को टीवी धारावाहिक 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में गुड्डन जिंदल और गुड्डन बिड़ला के दोहरे किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक मॉडल के रूप में की और कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। साल 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'रॉकी मेंटल' से शुरुआत की थी, जिसमें उनके साथ अभिनेता धीरज कुमार मुख्य किरदार में थे।

साल 2018 में कनिका ने कन्नड़ फिल्म 'बृहस्पति' से डेब्यू किया और उसी साल पंजाबी फिल्म 'दाना पानी' में माघी का किरदार निभाया। टीवी पर उनकी शुरुआत बढ़ो बहू से हुई, जहां वह प्रिंस नरूला के साथ तितली के किरदार में नजर आई थीं। साल 2018 से 2020 तक वह 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में निशांत सिंह मल्कानी के साथ दिखीं। कनिका साल 2021 में पंजाबी फिल्म 'अमेरिका माय ड्रीम' में दिखीं।

2022 में कनिका ने वेब सीरीज 'रूहानियत' से डिजिटल डेब्यू किया, जिसमें उनके साथ अभिनेता अर्जुन बिजलानी मुख्य भूमिका में थे। उसी साल वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ट शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 12वें सीजन में दिखीं।

कनिका, हाल ही में वह पंजाबी फिल्म 'जॉम्बीलैंड' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों भी हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी (जॉम-कॉम) के रूप में चर्चित है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया।

सीएम विष्णुदेव साय का संकल्प

विकास का अधूरा सपना अब होगा पूरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में विकास को मिलेगी नई रफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम पिपरिया में आयोजित लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला का पूर्ववर्ती सरकार के दौरान गठन तो किया गया, लेकिन इसके बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के विकास पर पूर्ववर्ती सरकार ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने इस कमी को दूर करने का बीड़ा उठाया है और अब खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को सशक्त अधोसंरचना और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा, ताकि यहां का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में अधोसंरचना विकास को मिलेगी नई रफ्तार

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 611.21 करोड़ रुपये की लागत के 71 विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात दी, जिसमें 470.98 करोड़ रुपये की लागत से 18 कार्यों का भूमिपूजन और 140.23 करोड़ रुपये की लागत से 53 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन विकास कार्यों से विकसित खैरागढ़ का सपना साकार होने की दिशा में ठोस शुरुआत हो गई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिले के बुजुर्गों, युवाओं, माताओं और बहनों ने जो सपने संजोए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा। उन्होंने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए पैलीमेटा को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने, छुईखदान में 50 लाख रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पानी की टंकी निर्माण, पान की खेती को बढ़ावा देने के लिए 'पान कैफे' खोलने, खैरागढ़ में 500 सीटर सर्वसुविधायुक्त ऑडिटोरियम निर्माण और मुढ़ीपार में महाविद्यालय की स्थापना की घोषणाएं कीं। उन्होंने आश्वस्त किया कि इन कार्यों को आगामी वित्तीय वर्ष के बजट में शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खैरागढ़, राजनांदगांव, कवर्धा और मानपुर-मोहला से उनका भावनात्मक और आत्मीय जुड़ाव रहा है। अब, जब उन्हें प्रदेश की बागडोर मिली है, वे पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर अग्रसर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विगत डेढ़ वर्षों में सरकार ने हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई गारंटियों को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

फिर से भरे जाएंगे महतारी वंदन योजना के फार्म

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने हेतु 'महतारी वंदन योजना' को एक क्रांतिकारी पहल बताते हुए उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इसके पुनः फार्म भरवाए जाएंगे। वर्तमान में इस योजना से प्रदेश की 70 लाख महिलाएं प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्राप्त कर रही हैं और कई महिलाएं अपना व्यवसाय भी प्रारंभ कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जनता के सहयोग से खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला शीघ्र ही मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और व्यापक विकास के साथ प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल होगा।

किसानों को मिल रहा योजनाओं का सीधा लाभ

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है, जिससे उन्हें सीधे और लाभकारी मूल्य का लाभ मिल रहा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं और इनका निर्माण तीव्र गति से हो रहा है, जिससे गांवों में राजमिस्त्री, सेंटरिंग प्लेट निर्माण और अन्य निर्माण कार्य से जुड़े कुशल श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री साय ने तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में खरीदी दरों में वृद्धि, प्रदेश के 5.62 लाख कृषि भूमिहीन मजदूरों को 10-10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 22 हजार श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन कराए जाने का भी उल्लेख किया।

सरकार का लक्ष्य योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार देश की पहली सरकार है, जो किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें शत-प्रतिशत क्रियान्वित करना है, ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, सांसद संतोष पांडेय, खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

तिरंगा हमारी जान और शान, हर घर पर लहराए तिरंगा: टंकराम वर्मा

तिरंगा यात्रा में जनसैलाब, 'एक पेड़ माँ के नाम' : अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देशभर में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्साह और उमंग के साथ तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बलौदाबाजार जिला मुख्यालय में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा विशेष रूप से शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा अंबेडकर चौक से प्रारंभ होकर नेहरू चौक, सराफा लाइन मुख्य मार्ग होते हुए अटल चौक में संपन्न हुई। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जिला अध्यक्ष आनंद यादव, स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्षद एवं बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए।

जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारी जान है, तिरंगा हमारी शान है। इसके सम्मान की रक्षा के लिए अनगिनत वीरों ने अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। हमारा कर्तव्य है कि हर घर पर तिरंगा फहराएं और इसे जन-जन का उत्सव बनाएं।उन्होंने सभी नागरिकों से तिरंगा यात्रा से जुड़ने और अपने घर पर तिरंगा लगाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने नशामुक्ति की शपथ लेकर एक स्वस्थ, जागरूक और सशक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण

तिरंगा यात्रा के पश्चात राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक सुश्री भावना गुप्ता सहित जनप्रतिनिधियों ने लवन रोड पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। इसके पश्चात मंत्री श्री वर्मा ने मुरुम तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत प्रदेश में गैर-संचारी रोगों की रोकथाम हेतु विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी संचालन के लिए प्रदेश में विशेष पहल की जा रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, स्ट्रोक जैसे गंभीर गैर-संचारी रोगों की शीघ्र पहचान, रोकथाम और नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

प्रदेश के 28 जिला अस्पतालों में एलोपैथिक चिकित्सकों के साथ-साथ आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा भी राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत 13 आयुष पॉलीक्लिनिक और 5 जिला अस्पतालों में आयुर्वेद-आधारित लाइफस्टाइल क्लिनिक स्थापित किए गए हैं।

राज्य के 400 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 32 योगा और वेलनेस सेंटर्स में योग, ध्यान, आहार एवं औषधियों के माध्यम से रोगों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं, स्क्रीनिंग शिविरों के माध्यम से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कैंसर की समय पर जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें समुदाय में स्वास्थ्य शिक्षा और रोग-निरोधी सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्षम बनाया गया है। इस पहल से जनस्वास्थ्य में सुधार, रोगों का बोझ कम करने और आयुर्वेद पद्धति के प्रति जन-विश्वास में वृद्धि हो रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अपने निवास पर लगाया तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर देशभर में चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ते हुए नवा रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास पर तिरंगा लगाया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश का ध्वज नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की एकता, अदम्य साहस और अमर बलिदान का प्रतीक है।

उप मुख्यमंत्री साव ने सभी लोगों से देश की आजादी के अमृत महोत्सव के इस गौरवपूर्ण उत्सव में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाकर 'हर घर तिरंगा' महाअभियान को जन-जन का उत्सव बनाने का आग्रह किया है।

उन्होंने तिरंगे के साथ अपना फेटो साझा कर इस राष्ट्रीय गौरव में सहभागी बनने का अनुरोध किया है।

छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल प्राधिकरण ने मनाया विश्व जैव ईंधन दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा विश्व जैव ईंधन दिवस का आयोजन ग्राम गोढ़ी, जिला दुर्ग में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुमित सरकार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीबीडीए) द्वारा सभी ग्राम वासियों को विश्व जैव ईंधन दिवस की बधाई एवं शुभकामना संदेश प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं ग्रामवासियों को सीबीडीए द्वारा टी-शर्ट्स एवं टोपी वितरित कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों को जैव ईंधन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

एपीओ संतोष कुमार मैत्री ने कहा कि ग्राम गोढ़ी में निर्मित बायोएथेनॉल प्रदर्शन संयंत्र का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में जैव ईंधन अनुसंधान को बढ़ावा देना है, ताकि अधिक से अधिक जैव ईंधन का उत्पादन कर राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि लगभग 85 प्रतिशत तेल का आयात विदेशों से किया जाता है, जिस पर देश की अत्यधिक मुद्रा व्यय होती है। जैव ईंधन उत्पादन को बढ़ावा देने से न केवल तेल आयात पर निर्भरता कम होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के नए स्रोत भी उपलब्ध होंगे।

श्री मैत्री ने बताया कि सीबीडीए ने सबसे पहले अखाद्य तैलीय बीजों के तेल से बायोडीजल उत्पादन का कार्य सफलतापूर्वक किया था। जिसे वर्तमान में प्रयुक्त खाना पकाने के तेल से भी किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण ने बायोजेट ईंधन के उत्पादन, बायोएथेनॉल उत्पादन में सफल रहा है और भविष्य में हरित हाइड्रोजन, सीबीजी एवं एसएएफजैसे अन्य जैव ईंधनों पर भी कार्य करने की योजना बना रहा है।

वैज्ञानिक डॉ. प्रीति कौर, एपीओ लव त्यागी एवं श्री रमेश मेढेकर ने राज्य में जैव ईंधन अनुसंधान की संभावनाओं, उनकी महत्ता तथा इनके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं आमजन के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सहायक लेखाधिकारी-सह-वित्त अधिकारी श्रीमती अंजली जोगदंड ने बताया कि सीबीडीए द्वारा किए जा रहे प्रयासों से राज्य की अर्थव्यवस्था को एक स्थायी एवं स्वच्छ ऊर्जा स्रोत प्राप्त हो रहा है, जो भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की दिशा और दशा दोनों को बदल सकता है।

ग्राम गोढ़ी के ग्रामीणों का कहना था कि इस संयंत्र ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया है, बल्कि उन्हें यह विश्वास भी दिलाया है कि आधुनिक तकनीक और ग्रामीण संसाधनों का समन्वय करके स्थायी विकास संभव है। कार्यक्रम के दौरान जैव ईंधन के प्रति जन-जागरूकता फैलाने, ग्रामीण युवाओं को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करने और छत्तीसगढ़ को जैव ईंधन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में विभिन्न मनोरंजक एवं प्रेरणादायक गतिविधियों भी आयोजित की गईं। वृक्षारोपण कार्यक्रम में सरपंच एवं उप सरपंच ने पूरे उत्साह से भाग लिया और गाँववासियों को हरित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। इस अवसर पर रस्सी खींच प्रतियोगिता, क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ।

नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए कन्या महाविद्यालय के छात्राओं ने लिया शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य बृजलाल साहू के निर्देशन में नशा मुक्त भारत अभियान के 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक संदीप कुमार सोनी ने नशा को नाश का कारण बताते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए छात्राओं से अपील की। इस कड़ी में डॉ. धनञ्जय पांडेय ने नशा के कारण मानव स्वास्थ्य , परिवार तथा समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में छात्राओं को अवगत कराया तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए नशा मुक्त समाज को जरुरी बताया। पुनीत गुप्ता सहायक प्राध्यापक द्वारा उपस्थित समस्त छात्राओं तथा महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक व गैर - शैक्षणिक स्टॉफ को नशा मुक्त समाज के लिए शपथ दिलाया गया, साथ ही साथ स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी पूजांजली भगत द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण दिग्विजय सिंह ,डॉ. विनोद कुमार साहू ,तमलेश्वर राजवाड़े भी उपस्थित रहे।

खास खबर

अवैध शराब बेचते एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले की थाना गोबरा नवापारा पुलिस नेस अवैध शराब विक्रय करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 34 पौवा शोले देशी मदिरा एवं बिक्री रकम जब्त किया है। बता दें कि पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अटल नगर एव नगर पुलिस अधीक्षक अटल नगर के दिशानिर्देश व मार्गदर्शन में तथा निरीक्षक थाना प्रभारी दीपेश जायसवाल गोबरा नवापारा के नेतृत्व में अवैध शराब बिक्री पर पूर्णरूपेण अंकुश लगाने हेतु एवं अवैध शराब बिक्री संचालित करने वालो पर लगाम लगाने कि नियत से झोपड़ीनुमा होटल नर्सरी ग्राम टीला के पास एक व्यक्ति द्वारा एक सफेद रंग के झोला में अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है। कि मुखबीर सूचना पर हमराह स्टाप व गवाहान के मुखबिर के बताये स्थान झोपड़ीनुमा होटल नर्सरी के पास ग्राम टीला के पास पहुंचकर मुखबिर के बताये व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

नाबालिग बच्चों का अश्लील वीडिया सोशल मीडिया में अपलोड करने वाला आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। जिले की डोंगरगढ़ पुलसि ने नाबालिग बच्चों का अश्लील वीडिया सोशल मीडिया में अपलोड करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा- 67(बी) आईटी एक्ट एवं बालको का संरक्षण अधिनियम 2012, 15 तहत कार्यवाही की गई है। सीसीपीडब्ल्यूसी योजनान्तर्गत भारत सरकार गृह मंत्रालय एनसीआरबी नई दिल्ली द्वारा सोशल मीडिया पर महिला एवं बच्चों से संबंधित किये जा रहे अपराधों पर नजर रखकर सायबर टीप रिपोर्ट जांच हेतु संबंधित राज्य एवं जिला व थाना को वैधानिक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है। ऐसे ही सायबर टीप थाना डोंगरगढ़ को प्राप्त होने पर सायबर टीप जांच पर से आरोपी शिव कुमार सिन्हा पिता खिलावन सिन्हा उम्र- 28 साल निवासी वार्ड न0- 15 बुधवारी पारा, डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव (छग) के द्वारा अपने फेसबुक एकाउण्ट में बच्चों से संबंधित अष्लील वीडियो/फोटो वॉयरल करना पाये जाने पर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 253/2024 67(बी) आईटी एक्ट बालको का संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 15 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था जो आरोपी कायमी दिनांक से लगातार फरार था जिसे आज दिनांक 13.08.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

पशु तस्करी में सहयोग करने वाले आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। जिले की थाना घुमका पुलिस ने पशु तस्करी में सहयोग करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 12/08/2025 को मुखबीर से सुचना प्राप्त हुआ कि खरीदी बिक्री व गाड़ी में लोड करने में सहयोग करने वाले ग्राम हरडुवा से कत्लखाना गौवशं पशु तस्करी ले जाने में सहयोग करने वाले आरोपी ग्राम हरडुवा में देखा गया है कि सुचना पर थाना घुमका पुलिस मौके पर पहुंचर कर आरोपियों की घेराबंदी कर पकडा गया । वाहन क्रमांक एमएच 31 सी 3401 में ग्राम हरडुवा से कुरतापूर्वक भर कर कत्लखाना भेजने का कार्य करना स्वीकार किया। आरोपियों को रिमण्ड हेतु न्यायालय पेश किया गया।

स्टेट बैंक से 17.52 लाख की ऑनलाइन ठगी, फर्जी लेटरपैड के जरिए मैनेजर को बनाया निशाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के रामसागरपारा स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से एक बड़ा ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने फर्जी लेटरपैड के सहारे बैंक मैनेजर को भ्रमित कर 17.52 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन करवा लिया। यह घटना आजाद चौक थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, इस ब्रांच के वर्तमान मैनेजर आशुतोष कुमार (निवासी गिरिडीह, झारखंड) को 8 अगस्त को पूर्व मैनेजर कार्तिक राउंड का फोन आया। कार्तिक ने बताया कि कृष्णा बिल्डर्स के डायरेक्टर सुनील तापड़िया का खाता इस ब्रांच में है और उनका लेनदेन काफी समय से होता रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सुनील का फोन आए तो मदद कर देना।

11 अगस्त को आशुतोष को एक कॉल आया, जिसमें कॉलर ने खुद को सुनील तापड़िया बताया और कहा कि वह रजिस्ट्री ऑफिस में है, बैंक नहीं आ पाएगा। उसने व्हाट्सएप पर कृष्णा बिल्डर्स के लेटरपैड में एक एनईएफटी डिटेल भेजा और 17.52 लाख रुपए ट्रांसफर करने को कहा।

बिना ज्यादा जांच के, आशुतोष ने उस आधार पर राशि सरफराज अंसारी नामक व्यक्ति के राजस्थान स्थित खाते में ट्रांसफर कर दी। महज 15 मिनट के भीतर असली सुनील तापड़िया ने मैनेजर को कॉल कर पूछा कि उनके खाते से इतनी रकम कैसे निकल गई। जब आशुतोष ने कहा कि उनके कहने पर ही पैसे ट्रांसफर किए गए, तब सुनील खुद अपने बेटे के साथ बैंक पहुंचे।

जब आशुतोष ने भेजा गया लेटरपैड दिखाया, तो सुनील ने स्पष्ट किया कि यह लेटरपैड नकली है और उनकी कंपनी से इसका कोई संबंध नहीं है। इसके बाद बैंक में हड़कंप मच गया।

मैनेजर ने तुरंत बैंक के उच्चाधिकारियों को सूचित किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस बीच, ठगों ने तेजी से काम करते हुए 3 लाख रुपए खाते से निकाल लिए थे। हालांकि, समय रहते शेष 14 लाख रुपए निकालने से पहले खाता ब्लॉक कर दिया गया और रकम होल्ड कर दी गई। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

आत्महत्या के लिए किया मजबूर फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले के कसडोल थानाक्षेत्र के ग्राम लखमईसती कटगी में जान से मारने की धमकी एवं मारपीट करने से प्रताड़ित होकर जहर सेवन कर आत्महत्या कर लेने के मामले में आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले फ रार आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया कुसुम साहू निवासी ग्राम लखमईसती कटकी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 31.03.2025 के दोपहर 3:30 बजे ग्राम कटगी के आरोपियों द्वारा घर अंदर जबरन घुसकर, एक राय होते हुए अश्लील गाली गलौज कर, जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का से प्रार्थना के ससुर के साथ मारपीट किया गया। मारपीट से प्रताड़ित होकर प्रार्थिया के ससुर चंद्रिका प्रसाद साहू द्वारा घर में रखे कीटनाशक जहर का सेवन कर आत्महत्या कर लिया गया। रिपोर्ट पर थाना कसडोल में धारा 296, 115(2),351(3),333,108 190,191(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना कसडोल पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में शामिल 04 आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया गया था, किंतु प्रकरण में शामिल 01 आरोपी अभी भी फरार था, जिसकी पुलिस द्वारा सरगर्मी से पता तलाश की जा रही थी।

इसी दौरान पुलिस द्वारा गवाहों, आरोपियों से पूछताछ एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में आरोपी मुकेश कुमार कंडरा को हिरासत में लिया गया, जिससे पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर प्रार्थिया के ससुर को जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करना स्वीकार किया गया, जिससे प्रार्थिया के ससुर द्वारा प्रताड़ित होकर आत्महत्या कर लिया गया।

अवैध शराब बिक्रीः तीन विक्रेता गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। थाना कांकेर पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के दो अलग-अलग मामले तथा सार्वजिनक स्थान पर शराब सेवन के एक मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 41 नग पौवा देशी शराब तथा 18 पौवा गोवा शराब जब्त किया है।

बता दें कि उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उ.ब.कांकेर आई.के. एलिसेला(भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल (भापुसे) भानुप्रतापपुर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में एवं अनु. अधिकारी पुलिस मोहसीन खान के पर्यवेक्षण में शहर में दिन में पैदल, बाईक गस्त एवं रात्रि गस्त पेट्रोलिग बढ़ाकर शराबियों, नशेड़ी, गजेड़ियो, अवैध शराब बिक्री, नशीली पदार्थ का सेवन कर उत्पात करने वाले असामाजिक तत्वो पर सतत् निगरानी रखने एवं जुआ-सट्टा पर आवश्यक कार्यवाही कर शहर में निरन्तर पुलिसिंग गस्त कार्यवाही कर असमाजिक तत्वों एवं अपराध पर अंकुश लगाने पुलिस थाना कांकेर द्वारा लगातार नागरिकों से संपर्क स्थापित कर शहर में गस्त के दौरान वैधानिक कार्यवाही किया गया।

पहले मामले में आबकारी एक्ट के तहत् सार्वजनिक स्थान भवानी चैक आमापारा कांकेर में शराब सेवन करने के मामले में धारा-36(च) आबकारी एक्ट के प्रकरण में आरोपी विजय सोनी पिता स्व. पन्नालाल सोनी उम्र 48 वर्ष साकिन आमापारा कांकेर को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

दूसरे मामले में आबकारी एक्ट के तहत् सार्वजनिक स्थान बर्फ फैक्टरी के पास अन्नपूर्णापारा कांकेर सें शराब बिक्री करने जा रहे की सूचना पर आरोपी परमानंद साहू के कब्जे से कुल देशी प्लेन शराब 18 नग पौवा कुल 3.240 लीटर जिसकी कुल किमती 1440 रूपये एवं नगद 100 कुल जुमला रकम 1540 को बरामद किया गया आरोपी परमानंद साहू के विरूध थाना कांकेर में धारा-34(1)ख आबकारी एक्ट के प्रकरण में आरोपी परमानंद साहू पिता स्व गणेश राम साहू उम्र 55 वर्ष पता ग्राम पुसवाड़ा को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

एक अन्य मामले में आबकारी एक्ट के तहत् सार्वजनिक स्थान बर्फ फैक्टरी के पास अन्नपूर्णापारा कांकेर सें शराब बिक्री करने जा रहे की सूचना पर आरोपी सतीश सिंह ठाकुर के कब्जे से एक सफेद कलर के थैला के अंदर सील बंद 18 नग गोवा लिखा अंग्रेजी शराब प्रत्येक 180 एम.एल. एवं एक पीला रंग के थैला के अंदर डिक्की में रखे देशी प्लेन शराब 23 नग जिसमे शेरा लिखा प्रत्येक पौवा मे 180 एम एल जुमला 7.380 बल्क लिटर किमती 4000रुपये मिला मौके पर गवाहो के समक्ष बरामद किया गया।

आरोपी के सतीश सिंह ठाकुर विरूध थाना कांकेर में धारा-34(2)ख आबकारी एक्ट के प्रकरण में आरोपी सतीश सिंह ठाकुर पिता स्व. बेनी माधव ठाकुर उम्र 52 वर्ष निवासी राजापारा कांकेर को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

अवैध शराब पर चक्रधरनगर पुलिस का शिकंजा, दो गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले की चक्रधरनगर पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम कोलईबहाल जामगांव में दबिश देकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 20 लीटर महुआ शराब बरामद की, जिसकी कुल कीमत लगभग 4,000 रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश मरकाम और नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई।

चक्रधरनगर थाना प्रभारी निरीक्षक अमित शुक्ला को 12 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम कोलईबहाल जामगांव निवासी राजेश कुमार सूर्यवंशी (32 वर्ष) और प्रेम कुमार किसान (39 वर्ष) अपने घर पर बिक्री के लिए अवैध महुआ शराब संग्रहित किए हुए हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत हरकत में आई और अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। दबिश के दौरान पुलिस ने राजेश कुमार सूर्यवंशी के पास से 8 लीटर महुआ शराब बरामद की, जिसकी कीमत करीब 1,600 रुपये है। वहीं, प्रेम कुमार किसान के कब्जे से 12 लीटर महुआ शराब मिली, जिसकी कीमत लगभग 2,400 रुपये आंकी गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) और 59(क) के तहत क्रमशः अपराध क्रमांक 358/2025 एवं 359/2025 दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर भेज दिया है। इस ऑपरेशन में थाना प्रभारी निरीक्षक अमित शुक्ला के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक नंद कुमार सारथी, प्रधान आरक्षक महेन्द्र कर्ष, प्रधान आरक्षक रवि साय, आरक्षक चंद्र कुमार बंजारे, आरक्षक मिनकेतन पटेल, आरक्षक सुशील मिंज और महिला आरक्षक माधुरी राठिया शामिल रहे। टीम ने समन्वय के साथ दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस तरह की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है, ताकि समाज में नशे के दुष्प्रभाव को कम किया जा सके।

थाना प्रभारी अमित शुक्ला ने बताया अवैध शराब का कारोबार न केवल कानून के खिलाफ है, बल्कि यह लोगों के स्वास्थ्य और समाज की शांति के लिए भी खतरा है। हमारी प्राथमिकता है कि ऐसे तत्वों पर कड़ी कार्रवाई कर क्षेत्र को सुरक्षित और नशा मुक्त बनाया जाए।

ग्रामीण इलाकों में महुआ शराब का उत्पादन और बिक्री कई सालों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। सस्ती और आसानी से उपलब्ध होने के कारण यह नशा युवाओं और निम्न आय वर्ग के लोगों में तेजी से फैल रहा है। पुलिस और प्रशासन द्वारा बार-बार चेतावनी और कार्रवाई के बावजूद कई लोग इस अवैध धंधे में लिप्त पाए जाते हैं।

गांजा विक्रय मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले की थाना फिंगेश्वर पुलिस ने अवैध रूप से गांजा विक्रय के मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी मनोज उर्फ श्याम सुन्दर को गिरफ्तार किया है। मामले में अबतक 04 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना फिंगेश्वर के पूर्व के अपराध क्रमांक 185/2025 धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में घटना दिनांक को मुखबीर के निशानदेही पर नाम खेलावन ध्रुव पिता संतोष ध्रुव उम्र 30 साल साकिन वार्ड नंबर 15 गोबरा नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर व मोटर सायकल के पीछे बैठे व्यक्ति आरोपी राजेश भोई पिता राजू भोई उम्र 22 साकिन वार्ड नंबर 15 गोबरा नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर को 7.544 किलो ग्राम गांजा मादक पदार्थ, एक प्लेटिना मोटर सायकल, 02 मोबाइल फोन के साथ विधिवत कार्यवाही करते हुए समक्ष गवाहन के खेलावन ध्रुव पिता संतोष ध्रुव उम्र 30 साल तथा राजेश भोई पिता राजू भोई उम्र 22 साल साकिनान गोबरा नवापारा थाना गोबरा नवापारा के विरूद्ध अपराध धारा 20 (ख) नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय के ओदश पर जेल भेजा गया था। जिसका पता तलाश जारी था। प्रकरण में विवचेना पुछताछ के दौरान इण्ड टू इण्ड कार्यवाही करते हुए प्रकरणा में तीसरा आरोपी राजू सोनी उर्फज्ञानी सोनी पिता स्व. चंदू सोनी उम्र 51 वर्ष साकिनान गोबरा नवापारा थाना गोबरा नवापारा जिला रायपुर छग को भी गिरफ्तार कर न्यायालय के पेश किया गया था।

अमानक खाद की बिक्री पर सख्ती, महासमुंद में लाइसेंस निरस्तीकरण एवं अमानक खाद जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज उपलब्ध कराने के शासन के निर्देश के परिपालन में जिलों में विक्रेता संस्थानों की सघन जांच-पड़ताल की कार्रवाई जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा लगातार की जा रही है।

अमानक उर्वरक एवं विक्रय में गड़बड़ी का मामला पकड़ में आने पर विक्रेता संस्थानों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी है।

इसी कड़ी में महासमुंद जिले में अमानक डीएपी खाद के विक्रय का मामला पकड़ में आने पर संबंधित संस्थान के लाईसेंस के निरस्तीकरण के साथ ही खाद को राजसात किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। उप संचालक कृषि महासमुंद ने बताया कि किसानों की शिकायत के आधार पर जांच में मेसर्स लक्ष्मी कृषि सेवा केन्द्र, खट्टी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए अमानक डी.ए.पी. उर्वरक के विक्रय पर तत्काल प्रतिबंध लगाया है। यह शिकायत ग्राम परसदा और हिच्छा के किसानों ने की थी। ग्राम परसदा के किसान सिन्हा द्वारा उक्त संस्थान से क्रय की गई डीएपी खाद में नमी और उसकी गुणवत्ता निम्न स्तर की पायी गई, जिसका सेंपल लेकर उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला, लाभांडी रायपुर में जांच कराए जाने पर डीएपी खाद अमानक स्तर की पाई गई। फलस्वरूप संबंधित फर्म का उर्वरक विक्रय लाइसेंस निरस्त करने के साथ ही और अमानक डी.ए.पी. को राजसात करने की प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने बताया कि पूर्व में भी समलेश्वरी कृषि सेवा केन्द्र, परसकोल में अवैध रूप से रखे गए 57 बोरी डी.ए.पी. उर्वरक को राजसात किया गया था। उप संचालक कृषि श्री कश्यप ने कहा कि जिले में अमानक उर्वरक विक्रय और अवैध भंडारण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद मिले।

नाम परिवर्तन

मैं अरूणा अग्रवाल (**Aruna Agrawal**) उम्र 68 वर्ष पति श्री रमेश कुमार अग्रवाल (**Ramesh Kumar Agrawal**) निवासी- मकान नं. 24/2, सड़क नं. 07, दीक्षित कालोनी कोसा नगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. की हूं । यह कि मेरे पासपोर्ट में मेरे पति का नाम **Remesh Kumar Agrawal** दर्ज हो गया है, मेरे अन्य सभी दस्तावेजों में मेरे पति का नाम **Ramesh Kumar Agrawal** है जो कि सही व सत्य है, **Ramesh Kumar Agrawal** एवं **Remesh Kumar Agrawal** दोनों नाम मेरे पति के ही अर्थात एक ही व्यक्ति के नाम है। यह कि मेरे पति **Ramesh Kumar Agrawal** के नाम से जाने व पहचाने जाते है यही मेरे पति का सही नाम है, मैं अपने पासपोर्ट में अपने पति का नाम दुरस्त कराना चाहती हूं।

यह कि भविष्य में मेरे पति को **Ramesh Kumar Agrawal** के नाम से जाना व पहचाना जावें।

अरूणा अग्रवाल
मकान नं. 24/2, सड़क नं. 07,
दीक्षित कालोनी कोसा नगर भिलाई

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग, बालोद

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक-4531/व.ले.लि./NIT-05/2025-26 बालोद दिनांक 11/08/2025

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 27/08/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 08/09/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 09/09/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में) अमानत राशि बैंक सालवेंसी
1	2	3
05 T0024	लो.नि.वि. अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत जिला एवं सत्र न्यायालय भवन में स्थित अधिवक्ता कक्ष का मरम्मत कार्य (प्रथम आमंत्रण)	1.52 1520.00 22800.00

नियम व शर्तें:-
1) पंजीयन की छायाप्रति 2) पेन कार्ड की छायाप्रति 3) जी.एस.टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 4) श्रमिक पंजीयन प्रमाण पत्र की प्रति 5) निविदाकारों की श्रेणी "द" से "अ" निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रु. 750.00 एवं कार्य की अवधि "02 माह" होगी।

जी-252602756/2

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. बालोद संभाग बालोद

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

25 रजत जयंती वर्ष छत्तीसगढ़

हर घर तिरंगा

15 अगस्त 2025

स्वतंत्रता दिवस

समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को
स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ...

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से
जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें।

RO-44892/15

सुशासन से समृद्धि की ओर...

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950